दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-2 | अंक-360 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

'जान बचाने के लिए 14 करोड़ की जरूरत', 11 महीने की मासूम की ओर से सुप्रीम कोर्ट में गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी | सुप्रीम कोर्ट में बच्ची की तरफ से उसकी मां ने याचिका दाखिल की है. इसमें बताया गया है कि इस बीमारी का इकलौता इलाज जोलजेंसमा इंजेक्शन है. इसकी कीमत 14.2 करोड़ रुपये है.

स्पाइनल मस्क्युलर अट्रोफी (SMA) नाम की दुर्लभ बीमारी से जूझ रही 11 महीने की एक बच्ची की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल हुई है. याचिका में बताया गया है कि इस बीमारी में लकवा और सांस बंद हो जाने जैसी समस्याओं से 24 महीने की उम्र तक मौत हो जाती है. जान बचाने के लिए समय की कमी है और इलाज का खर्च ऐसा है कि एक आम आदमी खुद ही उसका कभी इंतजाम कर ही नहीं सकता.

सुप्रीम कोर्ट में बच्ची की तरफ से उसकी मां ने याचिका दाखिल की है. इसमें बताया गया है कि इस बीमारी का इकलौता इलाज जोलजेंसमा नाम का इंजेक्शन है, जो बेहद खर्चीला है. इसे लगाने के लिए दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने 14 करोड़ 20 लाख रुपए का खर्च बताया है.

याचिका में कहा गया है कि बच्ची के पिता वायुसेना में नॉन कमीशंड अधिकारी हैं. वैसे तो सैनिकों और उनके आश्रितों के इलाज का प्रावधान है, लेकिन इस दुर्लभ बीमारी के इलाज में होने वाला खर्च उन्हें नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने सैनिकों के बीच क्राउड फंडिंग (आपसी चंदे से इलाज की राशि जुटाने) की अनुमति मांगी, लेकिन उच्च अधिकारियों ने इससे मना कर दिया. सभी यूनिटों को ब्रॉडकास्ट जरूर भेजा गया, लेकिन इससे अधिक लाभ नहीं हुआ.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ प्री-बजट बैठक, शुक्रवार को होगा मंथन

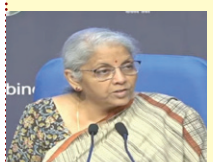

नई दिल्ली, एजेंसी | वित्त वर्ष 2025-26 का बजट 1 फरवरी 2025 को पेश किया जाएगा और इसके लिए वित्त मंत्री का लगातार बैठकों का दौर जारी है. इसी कड़ी में शुक्रवार 20 दिसंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश के राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट-पूर्व बैठक करेंगी. बजट 2025 से पहले ये अहम बैठक होने वाली है जिसमें राज्यों के वित्त मंत्री देश के बजट से उनकी क्या अपेक्षाएं हैं और क्या उम्मीदें हैं, इसको बताने के साथ सिफारिशों का पिटारा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने रखने वाले हैं.

राजस्थान के जैसलमेर में होगी वित्त मंत्रियों के साथ बैठक - वित्त मंत्रियों के साथ ये बैठक राजस्थान के जैसलमेर में होने वाली है और इसमें कई बड़े सिफारिशों पर मुहर लगने की उम्मीद है. एक सरकारी अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर कहा कि ये बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल के राज्यों के चुनाव के बाद कई परिस्थितियां बदली हैं. कई वित्त मंत्री अपने प्रदेश को विशिष्ट दर्जा देने की मांग रख सकते हैं और कई तरह के वित्तीय पैकेज के लिए मांगें वित्त मंत्री के सामने रख सकते हैं.

देखा जाए तो महाराष्ट्र खास तौर पर अपने माइक्रो-स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (MSMEs) के लिए राजकोषीय सपोर्ट की मांग कर सकता है.

रोजगार देने वाले कोर्स प्रारंभ करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध

छात्र शक्ति में ही राष्ट्र भक्ति समाहित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छात्र शक्ति में ही राष्ट्र भक्ति समाहित होती है। विद्यार्थी अपने जीवन में शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान के साथ निरंतर आगे बढ़े और चिंतन-मनन के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर हों। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को तात्या टोपे नगर गुना में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्य भारत के 57वां प्रांतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुना में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर अद्भुत आनंद की अनुभूति हुई है। विद्यार्थी जीवन भविष्य को तय करता है। विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान से परिपूर्ण होना चाहिए। हम सभी को राष्ट्र वादी विचारधारा के साथ समाज को एक नयी

दिशा प्रदान करने का दायित्व निभाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि भगवान श्रीकृष्ण को आदर्श मानकर उनके बताये मार्ग पर आगे बढे और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। विद्यार्थियों की शक्ति से ही भारत में लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई है। मताधिकार 18 वर्ष के युवाओं को प्राप्त हुआ है। शिक्षा व्यवस्था के व्यापारीकरण को समाप्त किया गया। साथ ही शिक्षा में सुधार के लिये आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हमारे प्राचीन आदर्शों को सहेजने तथा संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के सराहनीय प्रयास किये गये है। उन्होंने शिक्षा की महत्ता को देश में स्थापित किया हैं। साथ ही नयी शिक्षा नीति तथा प्राचीन संस्कृति को सहेजने के लिये आवश्यक कदम उठाये हैं।

मुख्यामंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुना जिले को तात्या टोपे विश्वविद्यालय की सौगात मिलने से विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षा के प्रति आगे बढ़ाने के रास्ते आसान होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 55 एक्सीलेंस कॉलेज प्रारंभ किये गये हैं। साथ ही कृषि संकाय की पढ़ाई प्रारंभ करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉलेजों में रोजगार देने वाले कोर्स प्रारंभ करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश में 15 वर्ष में 30 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किये गये। इन कॉलेजों में 5 हजार बच्चों की सीटें सुरक्षित रखी गई। आने वाले समय में 52 मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार युवाओं को लाभ दिलाये जाने की योजना पर सरकार कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एक-एक इंच सिंचाई के लिये सरकार कार्य कर रही है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल और केन-बेतवा नदी जोड़ों परियोजना से सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध करवाया जायेगा। इन परियोजना का भूमि-पूजन शीघ्र ही प्रधानमंत्री श्री मोदी करेंगे। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये संभाग स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्रीज कॉन्क्लेव का आयोजन कर उद्योगों के लिये उद्योगपतियों से निरंतर बातचीत हो रही हैं। उद्योगों की स्थापना के लिये सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के साथ संवाद स्थापित कर प्रदेश का विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिये कार्य करेगी।

कार्यक्रम में श्री आशीष चौहान, श्री धर्मेंद्र राजपूत, श्री संदीप वैष्णव, सुश्री मोनिका शर्मा, श्री राजेश अग्रवाल, श्री यशवर्धन भार्गव, श्री वरुण सिंह, श्री शिवराज चंदेल उपस्थित रहे।

मेनिट में तीन दिवसीय आयोजन गुरूवार से

साइबर क्राइम के बदलते स्वरूप से समाज को जागरूक करना जरूरी : राज्यपाल पटेल

» राज्यपाल ने 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 का किया शुभारम्भ

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की उन्नति ने साइबर अपराधों के स्वरूप को बदला है। साइबर अपराध के बदलते पैटर्न जैसे- डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, फिशिंग आदि से समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल मेनिट भोपाल में "रिसेंट ट्रेंड्स इन इमेज प्रोसेसिंग एण्ड पैटर्न रिकग्निशन" विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी. आई.पी. 2 आर- 2024 के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह

तीन दिवसीय सम्मेलन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में मेनिट परिसर में आयोजित किया गया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आज का समय डिजिटल युग है। इसलिए समाज को विज्ञान और तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों के बारे में जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने विशेषज्ञों से कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की प्रगति का समाज और राष्ट्र के हित में विमर्श करे। सम्मेलन के माध्यम से तकनीक के परिवर्तनकारी क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान देने आगे आए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है। राज्य में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक दूरदर्शी दृष्टिकोण और अपार संभावनाएं है। प्रदेश की नीति और रीति, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय के अनुरूप है। उन्होंने पारस्परिक सहयोग से डिजिटल क्रांति के मुख्य घटक इमेज प्रोसेसिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सम्भावनाओं पर पहल की सराहना की।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिये शासन प्रतिबद्धः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम में हुआ संशोधन

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिये शासन प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य चिकित्सकों, विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम में संशोधन किया गया है। 1 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक सत्र 2022 के 319 स्नातकोत्तर छात्र चिकित्सकों को प्रदेश के विभिन्न जिला अस्पतालों में तैनात किया जाएगा। इस पहल से ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी, साथ ही

चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार होगा।

आयुक्त, स्वास्थ्य श्री तरुण राठी ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने ग्रामीण और पिछड़े जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम को संशोधित स्वरूप में लागू किया है। डिस्ट्रिक्ट रेसिडेंसी प्रोग्राम, जो 1 अप्रैल 2023 से मध्यप्रदेश में लागू हुआ था, अब 18 दिसंबर 2024 को जारी संशोधित नीति के तहत अधिक पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाएगा। प्रत्येक जिले में अधिकतम 12 छात्र चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी, जिसमें प्रत्येक विषय के दो विशेषज्ञ शामिल होंगे।

इस नीति के तहत छात्र चिकित्सकों को अपनी पसंद के अनुसार जिले का चयन करने का अवसर प्रदान किया गया है। पिछड़े जिलों में सेवा देने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का प्रावधान भी किया गया है। साथ ही, निगरानी और पारदर्शिता के लिए 'दर्पण पोर्टल' और 'सार्थक एप' को आपस में जोड़ा गया है। इससे जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ सेवाएं बेहतर होंगी, साथ ही छात्र चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

महाकाल मंदिर में जलाभिषेक के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी, केस दर्ज

• उज्जैन, प्रतिनिधि

उज्जैन | महाकालेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के नाम पर उत्तर प्रदेश व गुजरात से आए दस श्रद्धालुओं से ठगी का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह कलेक्टर और मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष नीरज सिंह ने खुद यह मामला पकड़ा। मामले में मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने दो केस दर्ज कराए हैं।

कुल तीन लोगों को आरोपित बनाया है। इनमें पुरोहित राजेश भट्ट, पुरोहित प्रतिनिधि कुणाल शर्मा व अजय शर्मा नाम का अन्य व्यक्ति शामिल है। सभी पर धोखाधड़ी की धारा लगाई गई है। पुलिस ने बताया कि मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल की शिकायत पर कायमी की गई है।

6600 रुपये लिए गए

शिकायत के अनुसार नितेश कुमार, मनोज कुमार, संजू देवी, गुड़िया, पलक, सलोनी एवं पलक सभी निवासी नगर पंचायत मुड़खा, जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश को अजय उर्फ पप्पू शर्मा निवासी सिंहपुरी ने महाकाल का जलाभिषेक करने का झांसा दिया था।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने जारी की समय सारिणी

मान्यता के लिये निजी स्कूल 23 दिसम्बर से कर सकेंगे आवेदन

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | प्रदेश में संचालित कक्षा एक से 8 तक के निजी विद्यालय शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत नवीन मान्यता एवं मान्यता नवीनीकरण के लिये 23 दिसम्बर से 23 जनवरी तक ऑन लाइन आवेदन कर सकेंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र ने मान्यता आवेदन की प्रक्रिया को सरलीकृत एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आरटीई एमपी मोबाइल ऐप तैयार किया है। इसके माध्यम से अशासकीय स्कूल स्वयं अपने मोबाइल के द्वारा आवश्यक जानकारी दर्ज कर जरूरी फोटाग्राफ तथा दस्तावेज अपलोड करते हुये मान्यता के लिये ऑनलाइन आवेदन कर सकेगे। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने सभी जिला कलेक्टर्स और मैदानी अधिकारियों को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है कि वे इस सबंध में अपने जिले के सभी निजी विद्यालयों को अवगत कराते हुए नवीन मान्यता अथवा पूर्व मान्यता के नवीनीकरण के लिये निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण कराये।

जिन स्कूलों की मान्यता अवधि मार्च 2025 में पूर्ण हो रही है ऐसे स्कूल समय-सीमा में मान्यता नवीनीकरण हेतु आवेदन करेंगे। साथ ही यदि कोई स्कूल कक्षा में वृद्धि करना चाहता है तो वह भी नवीनीकरण के लिये आवेदन कर सकता है। मान्यता नवीनीकरण के लिये जो अशासकीय स्कूलों समय सीमा में आवेदन नही करते है तो वह आगामी सत्र में स्कूल संचालन के लिए पात्र नही होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी विस्तृत निर्देश एमपी एज्युकेशन पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in तथा आरटीई पोर्टल www.rteportal.mp.gov.in पर भी देखे जा सकते हैं।

राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें, बीजेपी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर की दर्ज

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गईं हैं. बीजेपी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने संसद में धक्का मुक्की मामले में राहुल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गईं हैं. बीजेपी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने संसद में धक्का मुक्की मामले में राहुल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता पर BNS 117,125,131,3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

बीजेपी ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस में शिकायत

दी थी. इस शिकायत में राहुल पर संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की के दौरान शारीरिक हमला और उकसावे में शामिल होने का आरोप लगाया था.

राहुल पर इन धाराओं में केस दर्ज

धारा 115: स्वेच्छा से चोट पहुंचाना
धारा 117: गंभीर चोट पहुंचाना
धारा 125: जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना
धारा 131: आपराधिक बल का प्रयोग
धारा 351: आपराधिक धमकी
धारा 3(5): सामान्य उद्देश्य से काम करना

बीजेपी ने दी थी राहुल के खिलाफ शिकायत

इसके अलावा बीजेपी ने हत्या के प्रयास और अन्य आरोपों के तहत राहुल गांधी को आरोपी बनाने की मांग की थी. बीजेपी की ओर से सांसद हेमंग जोशी, अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने संसद मार्ग पुलिस थाने में पहुंचकर पुलिस को शिकायत सौंपी.

अनुराग ठाकुर ने मामले की जांच करने और बीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना), 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का कृत्य), 131 (आपराधिक बल प्रयोग), 351 (आपराधिक धमकी) और 3(5) (साझा इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी.

संसद में क्या हुआ था?

संविधान निर्माता बी आर आंबेडकर के कथित अपमान को लेकर गुरुवार को संसद भवन के मकर द्वार के पास सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य एक दूसरे के सामने आ गए और जमकर नारेबाजी की. इस दौरान विपक्ष और एनडीए सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की में पूर्व मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे.

अचानक चीन ने किया भारत से जिगरी दोस्ती का ऐलान! इधर पाकिस्तान पर हो गया तगड़ा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी | चीन के राजदूत की ये बातचीत भारत चीन के बॉर्डर विवाद को ध्यन में रखकर कही गई है।

सोशल मीडिया एक्स पर किए गए इस पोस्ट से समझ में आ रहा है कि चीनी राजदूत ने एक तरह से ये बताने की कोशिश की है कि भारत के साथ जो भी बॉर्डर का विवाद है उसे चीन ठीक करने में भारत के साथ काम करने में दिलचस्पी रखता है।

इतना ही नहीं चीनी राजदूत के इस बयान से समझ में आता है कि आने वाले दिनों में जो भी मतभेद हैं उसे बैठकर बातचीत के जरिए निपटारा किया जा सकता है और विकास के लिए एक दूसरे का सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

'पहले भारत को अल्पसंख्यकों पर मिलती थी सलाह, अब हम अन्य देशों के देख रहे हालात', मोहन भागवत का बड़ा बयान

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में शांति की बातें की जा रही हैं, लेकिन युद्ध नहीं रुक रहे। बहुत से लोग मानते हैं कि भारत के बिना दुनिया में शांति संभव नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों का समाधान करने की सलाह दी जाती है। मगर अब हम अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति देख रहे हैं।

'अल्पसंख्यकों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना'

हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन

समारोह में उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति की बातें की जा रही हैं, लेकिन युद्ध नहीं रुक रहे। उन्होंने यह भी कहा कि हमें भारत में अल्पसंख्यकों के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदायों को किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

'मनुष्य का धर्म सभी धर्मों का मूल'

आरएसएस प्रमुख ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई जिक्र नहीं किया। हालांकि, हाल के हफ्तों में आरएसएस ने शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद उस देश में हिंदुओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। भागवत ने कहा, 'मनुष्य का धर्म (मानव धर्म) सभी धर्मों का मूल है, जो एक विश्व धर्म है और इसे हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है, जिसके कारण आज पर्यावरण और अन्य समस्याएं सामने आ रही हैं।

भारत के बिना दुनिया में शांति लाना संभव नहीं: भागवत

उन्होंने कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि भारत के बिना दुनिया में शांति संभव नहीं है, क्योंकि इसका पारंपरिक ज्ञान और अनुभव ही इसे साकार कर सकता है।

वैदिक संस्कृति पंचांग

श्री गणेशाय नमः

दिनाँक 20 दिसंबर 2024

आचार्य कृष्णकांत पाठक (ज्योतिषाचार्य)
आचार्य इन ज्योतिष गणित(गोल्ड मेडलिस्ट)
आरौन (गुना) मध्यप्रदेश) 473101
मोवा-6261199596

दिन शुक्रवार

- सूर्योदयास्त सूर्यास्त (शुक्रवार)-5:31अपराह्न, सूर्योदय(शनिवार)-7:00पूर्वाह्न
- सम्वत 2081 कालयुक्त नाम संवतसर ,हेमन्त ऋतु, पौष मास, कृष्ण पक्ष , पंचमी तिथि दिन मे 10:51वजे तक तत्पश्चात षष्ठी तिथि।
- नक्षत्र मघा नक्षत्र दिन मे तथा रात्रि में 3:48 बजे तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुणी नक्षत्र।।
- योग विश्कुंभ योग दिन में तथा शाम 6:10वजे तक तत्पश्चात् प्रीति योग ॥
- करण तैतिल करण दिन मे 10:51वजे तक तत्पश्चात गर करण ।।
- चन्द्रमा सिंह राशि मे दिन में तथा रात्रि में ।।
- अभिजित महूर्त आज दिन मे 11:55 वजे से 12:37 वजे तक।
- राहू काल आज दिन मे 10:57 बजे से 12:16 बजे तक।

दिशाशूल - पशिचम दिशा

» आज आज पौष कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि है।।

» आज शुक्रवार है।आज माता लक्ष्मी जी की उपासना, पूजा , व्रत इत्यादि करना चाहिये। श्री यंत्र का पूजन तथा श्री शूक्त का पाठ करना चाहिये।।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य - धनु
चंद्र - सिंह
मंगल - कर्क(उदित)
बुध - वृश्चिक(उदित)
गुरु - वृष(उदित)
शुक्र - मकर(उदित)
शनि - कुंभ(उदित)
राहु - मीन
केतु - कन्या

आज का राशिफल

मेष - व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष - विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन - बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क - मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह - यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या - चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला - कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक - राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु - किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर - अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ - संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन - प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

राजगढ़ जिले की महत्त्वपूर्ण जनसमस्याओं से मध्यप्रदेश सरकार मंत्री मंडल मंत्रीऔ इन्दर सिंह लववंशी द्वारा स्वागत किया गया है। जनसमस्याओं से अवगत कराया गया।

रेहड़ी वाले कर रहे व्यापारियों से अभद्रता: जाम से व्यवसाय बंद होने के कगार पर, परेशान व्यापारियों ने SDM को सुनाई व्यथा

सारंगपुर। नगर के भेरू दरवाजा मार्ग पर अवैध रुप से लग रहे ठेले रेहड़ी वालों की वजह से लग रहे जाम और दुकानदारों से की जा रही अभद्रता से भेरू दरवाजा क्षेत्र के व्यापारी परेशान है। सघन बाजार क्षेत्र में सड़क के बीचोंबीच ठेले रेहड़ी वाले निकलने की जगह भी नहीं छोड़ रहे.

ऐसे में परेशान व्यापारियों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर व्यथा सुनाई और अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की।

गुरुवार को शाम 4 बजे भेरू दरवाजा मार्ग के व्यापारी एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम से अतिक्रमण हटाने की मांग की। व्यापारियों का कहना है की सब्जी बाजार में बैठने की बजाय एक एक व्यक्ति 3-3 ठेले लेकर पहुंच रहे है। दुकानों के सामने लगाए जा रहे ठेलों के बीच से ग्राहक निकलने पर उनसे अभद्रता करते है। वहीं हाल ही में सड़क के बीच में लगाए खम्बो के कारण बाजार और संकरा हो गया। ठेले वालों की अभद्रता के कारण अब ग्राहक भेरू दरवाज़े पर रुकने की बजाय आगे बढ़ जाते है ऐसे में उनकी दुकाने बंद होने की कगार पर है। व्यापारियो ने अतिक्रमण हटाने की मांग की।

मामले में एसडीएम रोहित बम्होंरे ने तुरंत व्यापारियों को आश्वासन दिया और कहा की जल्द ही अतिक्रमण हटाया जाएगा और रेहड़ी ठेले वालों को हटाकर निर्धारित स्थान पर बैठाया जाएगा।

इस दौरान व्यापारी मनोज दंडवानी, रायसिंह राजपूत, अक्षय तारक, विपुल सोनी, जावेद अंसारी, संदीप पुष्पद, हरिओम मंडलोई, श्रवण मंडलोई, जाहिद मूल्ला, मुदस्सीद अली, रोहित नाथ आदि मौजूद थे।

नवोदय विद्यालय में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता कार्यक्रम

खाचरोद | जवाहर नवोदय विद्यालय बुरहानाबाद में विधिक | जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तहसील विधिक साक्षरता समिति खाचरौद के अध्यक्ष अतिरिक्त जिला न्यायधीश शोएब खान, विशिष्ट अतिथि व्यवहार न्यायधीश पंकज बूटानी, वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण जोशी तथा युवा अभिभाषक हर्षित चौरड़िया रहे l कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य धीरेन्द्र कुमार मेहता ने की

कार्यक्रम का शुभारम्भ समस्त अतिथियों ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया l तत्पश्चात प्राचार्य श्री मेहता एवं उप प्राचार्य श्री आर के सेजवार ने समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया इसके बाद प्राचार्य मेहता ने विद्यालय की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए स्वगात उद्बोधन दिया लमुख्य अतिथि जिला न्यायधीश शोएब खान ने अपने संबोधन में छात्र छात्राओं को आत्मरक्षा के अधिकार, सयबर सुरक्षा तथा विभिन्न अपराधों की सजा के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कीl न्यायधीश बूटानी ने विद्यार्थियों को न्यायिक सेवा में करियर बनाने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान कियाl अधिवक्ता जोशी ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रदान की अभिभाषक हर्षित चौरड़िया ने बच्चों को भारतीय कानून व्यवस्था एवं संविधान की जानकारी प्रदान करते हुए कानूनी जागरूकता का समाज के लिए महत्व बतायाl कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के उप प्राचार्य आर के सेजवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रगट कियाl कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात अतिथियों ने विद्यालय के बच्चों द्वारा निर्मित विभिन्न कला कृतियों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन कियाl कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री राजेश कुमार सिंह मरावी ने किया l

जबलपुर प्रशासन ने किसानों के हितों की रक्षा का किया संकल्प कमिश्नर श्री वर्मा व कलेक्टर श्री सक्सेना ने धान खरीदी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

जबलपुर | कमिश्नर अभय वर्मा और कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आज पाटन विकासखंड के भोंरदा खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर समिति प्रबंधक को उपार्जन नीति का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर किसानों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण के निर्देश दिए। प्रशासन ने किसानों के हितों की रक्षा का संकल्प लिया है। जबलपुर प्रशासन ने धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधाओं का किया निरीक्षण

कमिश्नर अभय वर्मा और कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आज पाटन विकासखंड के भोंरदा खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर समिति प्रबंधक से कहा कि उपार्जन नीति के अनुसार ही धान का उपार्जन किया जाए। उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए।

किसान राम सिंह ने बताया कि पहले उन्हें अपनी फसल बेचने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब प्रशासन की पहल से उन्हें राहत मिली है। उन्होंने कहा कि उन्हें उचित मूल्य मिल रहा है और धान खरीदी केंद्र पर भीड़ भी कम है। निरीक्षण के दौरान कुछ खामियां भी मिलीं, जैसे कि कुछ बोरों पर उचित तरीके से टैग नहीं लगे थे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को इन खामियों को दूर करने के निर्देश दिए। भविष्य में प्रशासन किसानों को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई योजनाएं बना रहा है। इसमें किसानों को कृषि उपकरणों पर सब्सिडी, बीमा आदि शामिल हैं।

5 जनवरी को आयोजित होने वाले क्रिकेट टूर्नामिंट की तैयारिया जोरो पर मिडिल स्कूल ग्राउंड में संपूर्ण तैयारी को पूर्ण रूप देते हुए

सुसनेर) *सुसनेर नगर के महाराणा प्रताप चौराहा के पास नवीन बस स्टैंड स्थित मिडिल स्कूल ग्राउंड पर 5 जनवरी को आयोजित होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारिया जोरों पर पकड़ लिया है। मैदान की सफाई, पिच की मरम्मत और अन्य व्यवस्थाओं पर आयोजन समिति विशेष ध्यान दे रही है। टूर्नामेंट में स्थानीय टीमों के साथ-साथ आगर जिले की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे, जिससे खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है

आयोजक समिति के एक सदस्य ने बताया कि इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को मंच देना है विजेता टीम को आकर्षक ट्रॉफी और नकद इनाम प्रदान किया जाएगा साथ ही, दर्शकों के लिए भी खास इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि वे आराम से मैचों का आनंद ले सकें*

विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से 1.87 करोड़ लागत से पांच नवीन पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति

बैतूल | आमला से (दैनिक आज का नव संसार के बिशेष संवाददाता की रिपोर्ट)आमला. सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा तकनीकि स्वीकृति के आधार पर आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के लिए नवीन पंचायत भवन निर्माण के लिए लगभग 1.87 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त कि गई है।

गौरतलब है की क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के द्वारा क्षेत्र के एकीकृत विकास कार्ययोजना अंतर्गत स्थापित विकास के मानकों में सबसे महत्वपूर्ण इकाई "ग्रामों " के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक अधोसंरचना विकास एवं प्रशासनिक व संस्थागत उन्नयन की श्रृंखला के लिए सतत प्रयासों से ग्राम आधारिया रानीडोंगरी तिरामहु, कोंडरखापा इटावा में सुविधायुक्त पंचायत भवन के निर्माण की स्वीकृत शासन द्वारा दी गई ।

भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने जताया आभार - आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में करोड़ों रुपए लगात से नवीन पंचायत भवन के निर्माण की स्वीकृत के लिए भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव , पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पहलाद पटेल एवं आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे का आभार व्यक्त किया।

ओम आयुर्वैदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी और शिक्षक नागरिकों का कर रहे "प्रकृति परीक्षण"

आमला | बैतूल. ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के विद्यार्थी और शिक्षकों के द्वारा बैतूल जिले के नागरिकों का "प्रकृति परीक्षण" किया जा रहा है। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के आहार-विहार एवं दैनिक क्रिया कलापों की आदतों के आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति निश्चित की जाती है, जिससे उन व्यक्तियों को भविष्य में मौसम परिवर्तन पर होने वाले स्वास्थ्य संबंधि समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न परियोजना ''देश का प्रकृति परीक्षण'' अभियान के अन्तर्गत पूरे देश के नागरिकों का स्वास्थ्य डेटा तैयार करना है। इस अभियान के लिये प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुमोदन पर राष्ट्रीय आयोग भारतीय चिकित्सा पद्धती नई दिल्ली जिसके अंतर्गत पूरे देश के आयुर्वेदिक कॉलेजेस संचालित किये जाते है, ने आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थीयों को वॉलंटियर बनाकर देश के प्रत्येक नागरिक का प्रकृति परीक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रकृति परीक्षण के पश्चात् भारत सरकार द्वारा निर्मित प्रकृति परीक्षण एप्लीकेशन के माध्यम से उन्हें प्रमाण पत्र जारी किया जाता है तथा आने वाले समय में मौसम परिवर्तन पर स्वास्थ्य वर्धक आहार-विहार की जानकारी दी जायेगी। इसी मुहिम के तहत ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण बैतूल शहर एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में में घूम-घूम कर नागरिकों का प्रकृति परीक्षण कर रहे है।

ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बैतूल जिले के नागरिकों से आव्हान किया है कि आयुर्वेद के विद्यार्थीयों को इस अभियान के लिये सहयोग प्रदान करें तथा विद्यार्थीयो द्वारा दिये जाने वाले दिशा निर्देश का पालन करते हुए उपरोक्त एप्लीकेशन को डाउनलोड करें।

अमित शाह की टिप्पणी पर भोपाल समेत पूरे प्रदेश में महिला कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

शाह और भाजपा के मन में बाबा साहेब के प्रति सम्मान नहीं : विभा पटेल

सबकी एक ही मांग, शाह देश से माफी मांगे, गृहमंत्री पद से इस्तीफा दें

■ भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर गुरुवार को लिंक रोड नंबर एक पर बड़ा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रही। महिलाओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनसे देश से माफी मांगने की मांग की। साथ ही उनसे केंद्रीय गृह मंत्री पद से इस्तीफा भी मांगा। ये महिलाएं विधानसभा भवन तरफ जाना चाहती थीं लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। वहीं, महिला कांग्रेस के आव्हान पर गुरुवार को ही प्रदेश के सभी जिलों में महिला कांग्रेस विरोध-प्रदर्शन करके अपना विरोध दर्ज करा रही हैं।

इस मौके पर हुई सभा में श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि बाबा साहेब का सम्मान हम समेत पूरा देश करता हैं। वह हम सबके लिए सदैव आदरणीय और अनुकरणीय हैं। देश -दुनिया में उनका सम्मान है। लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश के संविधान निर्माता, पिछड़ों और दलितों के मसीहा के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी की है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्रीमती विभा पटेल ने अमित शाह की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा लगातार संविधान के मूल्यों पर हमला कर रही है। उसके नेताओं के मन में बाबा साहेब के प्रति सम्मान नहीं है। न ही भाजपा संविधान का सम्मान करती है। भाजपा पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि, बाबा साहेब ने हमें अपने जीवन को बेहतर बनाने का अधिकार दिया। लेकिन आज भाजपा और उसके नेता लगातार संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने देश के दबे-

कांग्रेस ने किया मौन प्रदर्शन

भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर लोकसभा में दिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन किया है। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल ने शहर के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर अंबेडकर प्रतिमा पर आयोजित मौन प्रदर्शन में किया। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, विधायक आरिफ मसूद, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, निकेश चौहान प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस जोगी, झोपड़ी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं युवा उपस्थित रहे। अमित शाह के बयान के विरोध में बुधवार को एमपी विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। इस पर बीजेपी की ओर से विधानसभा में कहा गया कि जो व्यक्ति सदन का सदस्य नहीं हैं उनका उल्लेख नहीं किया जा सकता। इसके बाद दोनों दलों के बीच खूब नारेबाजी हुई। हालांकि, स्पीकर ने उसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अक्षय पात्र फाऊंडेशन के किचन का किया निरीक्षण

1 करोड़ से अधिक भोजन थाली परोसने का कीर्तिमान बनाया

■ भोपाल, एजेंसी।

डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को शाहपुरा, भोपाल में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत अक्षयपात्र संस्थान द्वारा आयोजित 'एक करोड़+ मध्यान्ह भोजन' कार्यक्रम में सहभागिता की । इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संस्थान में विद्यार्थी को 'एक करोड़वीं थाली' परोसी व भोजन शाला का निरीक्षण किया एवं वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। दरअसल अक्षय पात्र फाउंडेशन के भोपाल स्थित केंद्रीय रसोईघर ने 1 करोड़ से अधिक भोजन परोसने का कीर्तिमान बनाया है इसी अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस मौके पर प्रह्लाद सिंह पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री; श्री उदय प्रताप सिंह, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री, श्रीमती राधा सिंह राज्य मंत्री पंचायत राज , प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता मिलन भार्गव सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अक्षय पात्र की ओर से चेयरमैन श्री मधु पंडित दास, भारतृषभ , श्री रवि झुंझुनवाला अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, HEG लिमिटेड , आचार्य रत्ना दास अध्यक्ष मध्य प्रदेश अक्षय पात्र आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अक्षय पत्र फाऊंडेशन के द्वारा आधुनिक मशीनों से तैयार हो रहे भोजन की सराहना की। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि मैं स्वयं बेंगलुरु और वृंदावन में अक्षय पात्र फाउंडेशन के किचन का निरीक्षण कर चुका हूं। अक्षय पात्र के संस्थापक मधु पंडित दास जी ने कहा, हम मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और राज्य सरकार के आभारी हैं जिनके समर्थन से यह मील का पत्थर संभव हुआ।

गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस सहित

भोपाल मंडल से जाने वाली 12 ट्रेनों के रूट बदले

भोपाल। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जफराबाद खंड पर कार्य किया जा रहा है। ऐसे में अयोध्या कैंट स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली कुछ ट्रेनों को मार्ग परिवर्तित किया गया है।

ट्रेन 15023 गोरखपुर - यशवंतपुर एक्सप्रेस 24, 31 दिसंबर एवं सात जनवरी को एवं ट्रेन 15024 यशवंतपुर - गोरखपुर एक्सप्रेस 19, 26 दिसंबर एवं दो जनवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में पूर्व मार्ग के बजाय गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी होकर जाएगी।

ट्रेन 15101 छपरा - एलएलटी एक्सप्रेस 24 एवं 31 दिसंबर को एवं ट्रेन 15102 एलएलटी - छपरा एक्सप्रेस 19 एवं 26 दिसंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में पूर्व मार्ग के बजाय छपरा-गोरखपुर-गोंडा- बाराबंकी-ऐशबाग-कानपुर सेंट्रल होकर जाएगी।

ट्रेन 22129 एलटीटी-अयोध्या कैंट तुलसी एक्सप्रेस 22, 24, 29, 31 दिसंबर एवं पांच जनवरी को एवं ट्रेन 22130 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्स. 23, 25, 30 दिसंबर तथा एक एवं छह जनवरी को सुल्तानपुर स्टेशन से प्रारंभ और समाप्त होगी।

ट्रेन 22183 एलटीटी- अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 18, 21, 25, 28 दिसंबर एवं एक व चार जनवरी को एवं ट्रेन 22184 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्सप्रेस 19, 22, 26, 29 दिसंबर तथा दो व पांच जनवरी को सुल्तानपुर स्टेशन से प्रारंभ और समाप्त होगी।

ट्रेन 22103 एलटीटी -अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 23, 30 दिसंबर एवं छह जनवरी को एवं ट्रेन 22104 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्सप्रेस 24, 31, दिसंबर एवं सात जनवरी को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में जफराबाद-जौनपुर सिटी-सुल्तानपुर होकर जाएगी।

एमपी में 23 दिसंबर से तेज सर्दी का दूसरा दौर:5 दिन तक ग्वालियर-चंबल में कोहरा

भोपाल-उज्जैन में पारा 10 डिग्री के नीचे रहेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दूसरा दौर 23 से 25 दिसंबर के बीच आएगा। यह जनवरी 2025 तक रहेगा। इससे पहले अगले 4-5 दिन तक प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में कोहरा रहेगा। भोपाल, उज्जैन, जबलपुर में रात का पारा 8-10 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहेगा।

मौसम विभाग ने गुरुवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कोहरा छाने का अनुमान जताया है। बाकी जगहों पर मौसम साफ रहेगा। दिन में तेज धूप हो सकती है। मंगलवार-बुधवार की रात प्रदेश में कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिली। रात के पारे में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, कई शहर ऐसे हैं, जहां पारा 5 डिग्री सेल्सियस से कम ही रहा। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा

डिग्री और राजगढ़ में 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 5.2 डिग्री, ग्वालियर में 5.4 डिग्री, भोपाल में 6.2 डिग्री, उज्जैन में 10 डिग्री और इंदौर में 11.6 डिग्री सेल्सियस टेम्प्रेचर दर्ज किया गया। हालांकि, बुधवार को दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत कई शहरों में पारा 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने कहा- शीतलहर और कोल्ड डे यानी ठंडे दिन की कंडीशन खत्म हो गई है। चार से पांच दिन तक टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी रहेगी। जिससे ठंड का असर कम होगा। उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के गुजरने के बाद बर्फबारी होगी। उत्तरी हवाएं फिर चलने लगेंगी। इसके बाद प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर दोबारा आएगा। इस बार दिसंबर महीने में ही ठंड रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। स्थिति यह रही कि पूरे प्रदेश में जनवरी से भी ठंडा दिसंबर रहा। भोपाल समेत कई शहरों में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 9 दिन शीतलहर चली। बुधवार से शीतलहर का दौर थमा। भोपाल में दिसंबर की सर्दी ने 58 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई जबकि वन विहार नेशनल पार्क में जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए हीटर लगा दिए गए।

3 दिवसीय राष्ट्रीय बाल रंग की शुरूआत आज से होगी

22 राज्यों के बच्चे बाल रंग में कर रहे हैं भागीदारी

भोपाल। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं में सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के मकसद से 3 दिवसीय राष्ट्रीय बाल रंग की शुरूआत 20 दिसम्बर से भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित इंदिरा मानव संग्रहालय में हो रही है। स्कूल शिक्षा विभाग का राष्ट्रीय बाल रंग स्कूली बच्चों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित कर अभिव्यक्ति के विविध अवसर प्रदान करता है। यह महोत्सव भारत की शाश्वत संस्कृति का संदेश वाहक है। अनेकता में एकता, भारतीय संस्कृति की विशेषता है। अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता का सहेजे विभिन्न प्रांतों के बच्चे यहां पहुंचते हैं। 20 दिसम्बर को बाल रंग में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं प्रातः 10 बजे से शुरू होंगी। बालरंग समारोह का शुभारंभ स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में सांस्कृतिक, साहित्यिक, निबंध लेखन, चित्रकला और केलीग्राफी प्रतियोगिताएं मुख्य रूप से आयोजित होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 9 संभागों के करीब एक हजार बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे। 21 और 22 दिसम्बर को देश के 17 राज्यों सहित 5 केन्द्र शासित प्रदेश के 15 हजार बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

वन विहार में अनुभूति कार्यक्रम आयोजित

» दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने लिया शिविर में भाग

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों को वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अनुभूति कराकर उनके संरक्षण हेतु जागरूक करना एवं सहभागिता हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ वन विभाग एवं विभागीय कार्यों, उत्तरदायित्वों एवं चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से मैं भी बाघ और हम हैं बदलाव थीम पर आयोजित प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर वत्त विहार राष्ट्रीय उद्यान में आज 19 दिसम्बर को आयोजित किया गया, जिसमें शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यलाय भोपाल के दृष्टि बाधित 15, श्रवण बाधित 83, बौद्धिक विकलांग 11 एवं मूकबधिर 6 विद्यार्थियों सहित कुल 115

विद्यार्थियों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया। अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. एस.आर. वाघमारे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक एवं डॉ. एस.आर. वाघमारे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक उपस्थित रहे। साथ ही श्री विजय नंदवंशी बायोलॉजिस्ट भी उपस्थित रहे। इस दौरान संचालक वन विहार श्री मीना अवधेशकुमार शिवकुमार, सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। शिविर में सम्मिलित हुये प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बुक, अनुभूति बैग, केप, वन विहार के ब्रोशर के साथ-साथ जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति, गिद्ध कुंजी के ब्रोशर भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम की शुरूआत दिव्यांग बच्चों द्वारा राष्ट्रगान से की गई। विद्यार्थियों को मास्टर ट्रेनर एवं नवीन प्रेरकों द्वारा पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों एवं फूड चैन की जानकारी प्रदान की गई।

राज्यपाल ने 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 का किया शुभारम्भ

साइबर क्राइम के बदलते स्वरूप से समाज को जागरूक करना जरूरी : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की उन्नति ने साइबर अपराधों के स्वरूप को बदला है। साइबर अपराध के बदलते पैटर्न जैसे- डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, फिशिंग आदि से समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल मेनिट भोपाल में रिसेंट ट्रेंड्स इन इमेज प्रोसेसिंग एण्ड पैटर्न रिकग्निशन विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर.टी.आई.पी. 2 आर- 2024 के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में मेनिट परिसर में आयोजित किया गया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आज का समय डिजिटल युग है। इसलिए समाज को विज्ञान और तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों के बारे में जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने विशेषज्ञों से कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की प्रगति का समाज और राष्ट्र के हित में विमर्श करे। सम्मेलन के माध्यम से तकनीक के परिवर्तनकारी क्षेत्रों के विकास में अपना योगदान देने आगे आए।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत समृद्ध है। राज्य में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक दूरदर्शी दृष्टिकोण और अपार संभावनाएं है। प्रदेश की नीति और रीति, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के विषय के अनुरूप है। उन्होंने पारस्परिक सहयोग से डिजिटल क्रांति के मुख्य घटक इमेज प्रोसेसिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सम्भावनाओं पर पहल की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। उनका पुष्प-गुच्छ से स्वागत और शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में साऊथ डकोटा यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. के विषय विशेषज्ञ श्री के.सी. संतोष, दुबई में कार्यरत डॉ. विनयातोष मिश्रा ने इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न रिकग्निशन विषय पर शोध की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला।

क्राइम ब्रांच टीआई के घर चोरी, दिनदहाड़े ताला तोड़ा, सीसीटीवी में हुआ कैद

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच के टीआई अशोक मरावी के सरकारी आवास में चोरी हो गई। एक लाख रुपए कैश, सोने की चेन और अंगूठी चोरी गई है। घटना बुधवार दोपहर की है। पूरी वारदात को महज 5 मिनट में अंजाम दिया गया। अकेला बदमाश 12.22 बजे घर में दाखिल हुआ और 12.27 बजे सामान चोरी कर बाहर निकल गया। घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आता-जाता दिखा है।हबीबगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चोर ने रेकी कर इस वारदात को अंजाम दिया। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है टीआई के घर एक डॉग भी है। उसे स्टोर रूम में बंद करने के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है। हबीबगंज थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि घटना के समय अशोक मरावी क्राइम ब्रांच ऑफिस में थे। उनकी पत्नी किरण पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में पदस्थ हैं। वे सुबह ही पीटीआरआई स्थित कार्यालय निकल गई थीं। बेटा स्कूल गया था। घर पर ताला लगा हुआ था। इस बीच बदमाश ने वारदात की। टीआई दोपहर में बेटे को स्कूल से घर छोड़ने आए, तब चोरी का पता चला। बदमाश रॉड लेकर पहुंचा था। उसने इसी के जरिए दरवाजे पर ताला तोड़ने का प्रयास किया, तो कुंडी सहित लॉक बाहर आ गया। फुटेज में दिख रहे बदमाश की उम्र 35 से 40 साल के आसपास बताई जा रही है। फुटेज में उसका चेहरा नजर आया है। पुलिस की टीमें भागने वाला रूट को ट्रेस कर रही हैं। एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। हबीबगंज थाना सहित क्राइम ब्रांच की टीमें बदमाश की तलाश में लगी हुई हैं।

|| संपादकीय ||

आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है।

भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया।

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है।

पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दर्शाने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए।

निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम-कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा रहा है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान के रूप में मिले सुरक्षा कवच को तोड़ा है। भारत का संविधान, संघ का विधान नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। विपक्ष के इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो देश एवं दुनिया भलीभांति देख रही है। मोदी के शासन में न केवल देश के भीतर शांति एवं अमनचैन बना है बल्कि सीमाओं पर भी सुरक्षा मजबूत हुई है। पडोसी देश भारत की ओर नजर करने का दुस्साहस नहीं कर पा रहे हैं तो इससे अधिक सीमा की सुरक्षा एवं देश की सुरक्षा क्या हो सकती है? उचित होता संविधान पर चर्चा के दौरान बहस के स्तर को ऊंचा उठाते हुए आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए संविधान को प्रभावी तरीके से लागू करने में सहायक बनने वाले बिंदुओं पर सहमति कायम की जाती।

- ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अंतर्राष्ट्रीय गंभीर समस्या भ्रष्टाचार को हटाएं - नया भारत भ्रष्टाचार मुक्त बनाएं

नए भारत, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में भ्रष्टाचार की शून्य सहिष्णुता, पारदर्शी व्यवस्था तथा नागरिकों की मुख्य सहभागिता की प्रतिबद्धता लक्षित करना ज़रूरी

> इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक की करें तो यह केवल भारतीय ही नहीं वैश्विक समस्या भी है इसीलिए ही, अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस प्रतिवर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार विरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस भी मनाया जाता है।

वैश्विक स्तरपर राजनीतिक भ्रष्टाचारियों को कड़ा संदेश देने के लिए दुनियाँ की न्यायपालिकाएं अब कमर कर चुकी है शायद यही कारण है कि दुनियाँ भर में न्यायपालिकाओं के पर खतरे जा रहे हैं,जिसका सटीक उदाहरण बुधवार दिनांक 18 दिसंबर 2024 को देर शाम फ्रांस के सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से स्पष्ट होता है,बता दें फ्रांस की सर्वोच्च अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को भ्रष्टाचार और प्रभाव के दुरुपयोग के मामले में दोषी ठहराते हुए उनकी एक साल की जेल की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ऑफ कसेशन ने बुधवार को इस मामले पर अपना अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया, सजा और दोष अब अंतिम हैं। भारत में कुछ महीनों से नए भारत, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में झंडे गाड़ रहे भारत, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था इत्यादि अनेक मिशन को लेकर खूब चर्चाएं हो रही है। टीवी चैनलों पर डिबेट हो रहे हैं जो इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। और हो भी क्यों ना क्योंकि यह विज़न हमारे पीएम का ड्रीम विज़न है। हम अक्सर प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज़न 2047 का जिक्र सुनते हैं, जो हमारे देश के स्वतंत्रत भारत का 100 वाँ साल होगा और हमारे उपरोक्त सभी विज़न का एक डेडलाइन निर्धारित साल है।हम आज से ही इन योजनाओं में सक्रिय हो गए हैं कि 2047 में हमारा भारत कैसाहोगा। साथियों इस नए भारत में एक बात को प्राथमिकता देना तात्कालिक अनिवार्य है,वह है भ्रष्टाचार को ज़ीरो सहिष्णुता में लाना! क्योंकि यही वह कड़ी है जो प्राथमिकता से सभी योजनाओं, नीतियों और लक्ष्यों को बाधित कर देती है, साथियों जो विकास की योजनाएं चलती है उसमें एक छोटी टेबल से लेकर अंतिम मुख्य टेबल तक का रोल होता है। एक आम आदमी का काम भी एक छोटी टेबल से लेकर मुख्य टेबल तक होता है। परंतु इस बीच में भ्रष्टाचार का दीमक मलाई को चट कर जाता है जिसका दुष्परिणाम आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है,पूरा बोझ इमानदार टैक्सपेयर पर पड़ता है, हमने बुधवार दिनांक 18 दिसंबर 2024 को देर शाम आई रिपोर्ट में देखे कि ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, जिसमें कॉरपोरेट टैक्स,पर्सनल इनकम टैक्स और एसटीटी शामिल हैं, 19.21 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है,यह पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 20.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।1 अप्रैल से 17 दिसंबर, 2024 के

बीच कुल 3.39 लाख करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए हैं,इसे कायम रखने के लिए इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक को प्रशासनिक सख्ती, पारदर्शी व्यवस्था और नागरिकों की मुख्य सहभागिता रूपी दवाई से मिटाने में आसानी होगी। हमारे कुछ टेबल वाले अपवाद साथियों को भी सोचना होगा कि, भ्रष्टाचार के नशीले अहसास में रास्ते गलत पकड़ लिये और इसीलिये भ्रष्टाचार की भीड़ में हमारे साथ गलत साथी, संस्कार, सलाह, सहयोग जुड़ते गये। जब सभी कुछ गलत हो तो भला उसका जोड़, बाकी, गुणा या भाग का फल सही कैसे आएगा? तभी भ्रष्टाचार से एक बेहतर हमें अपने परिवार की दुनिया बनाने के प्रयासों के रास्ते में भारी रुकावट पैदा हो रही है, इसका कारण है खोटी कमाई। इसीलिए हम नए भारत, आत्मनिर्भर, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था का भारत बनाने के लिए इस दीमक की बीमारी पर योजना बद्ध तरीके से रणनीतिक रोडमैप बनाकर काम करना होगा ताकि भ्रष्टाचारकी शून्य सहिष्णुता हो सके।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार समाप्त करने पर काम करने की करें तो शासन प्रशासन इस दिशा में अनेक योजनाएं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 30 सालों के बाद संशोधन कर नए प्रावधान शामिल कर भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 कर उनमें अनेक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमें ऐसी कार्रवाई में व्यक्तिगत और कारपोरेट संस्थानों के लिए भी प्रभावी रोकथाम की व्यवस्था की गई है। परंतु मेरा मानना है कि उसके बाद भी यह दीमक अपनी खुराक बराबर निकाल ही रहा है। साथियों अब समय आ गया है कि इस दीमक के लीकेजेस ढूंढकर उनकी खुराक बंद करने की व्यवस्था की जाए, जो नए और आत्मनिर्भर भारत की नीव के पहियों में से एक साबित होगी।

साथियों बात अगर हम अब छोटी से बड़ी टेबल वालों की करें तो अब उनकी भी ज़वाबदारी, जिम्मेदारी का सही, सचेत समय आ गया है कि हमारे पीएम की बात, ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, के मंत्र को एकदम गंभीरता से लेकर उसको अमल करना शुरू कर देंगे तो टेबल वालों का भी नए और आत्मनिर्भर भारत बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान माना जाएगा, क्योंकि दीमक को वह अपने पास फटकने ही नहीं देंगे तो दीमक की मृत्यु होना निश्चित है,जिससे शून्य सहिष्णुता का मंत्र हम खुद ही पा लेंगे।

साथियों बात अगर हम माननीय केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा अनेकों संबोधनों में भ्रष्टाचारीयों को उल्टा लटकाकर सीधा करने की बात करने की करें तो, 20 सितंबर 2024 केंद्रीय गृह मंत्री ने साहिबगंज से पार्टी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की इसके सभा को संबोधित किया। प्रदेश में पार्टी की सरकार बनाएं, भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे, परिवर्तन यात्रा पीएम के महान झारखंड विकसित झारखंड के सपने को पूरा करने का मकसद लेकर आई है। परिवर्तन यात्रा झारखंड से घुसपैठियों को निकालने, माता- बहनों को सुरक्षा देने, युवाओं को रोजगार देने, आदिवासी दलित व पिछड़ों का कल्याण करने के लिए आई है। भ्रष्टाचार के मामले पर कहा इन भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटका कर सीधा करने का काम करेंगे। मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि इसका क्रियान्वयन शीघ्र तात्कालिक किया जाए, जिसकी अभी से सीधे रणनीति बनाकर टॉपअप से बॉटमअप तक व 747 जिलों से 5410 से अधिक तहसीलों तक पैनी नजर रखकर ऐसा जाल बिछाया जाए,कि एक चपरासी भी 10 रुपए की रिश्वत लेने से डरे! जिस तरह से माननीय गृहमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ बॉडी लैंग्वेज दिखाते हैं वह अब धरातल पर तात्कालिक लाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक की करें तो यह केवल भारतीय ही नहीं वैश्विक समस्या भी है इसीलिए ही, अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस प्रतिवर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार विरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस भी मनाया जाता है। पूरे विश्व में एक समृद्ध, मूल्याधारित समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना इस दिन का मुख्य उद्देश्य है। इस दिन सम्मेलन, भाषण, रैलियां, प्रदर्शनियां, नाटक आदि कई गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र और संबंधित सदस्य राज्यों के द्वारा भ्रष्टाचार से लड़ने की भावना के साथ आयोजित की जाती हैं।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय पीएमओ राज्यमंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी पीएम द्वारा दिए गए उस संबोधन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, जिसमें पीएम ने कहा, नया भारत अब भ्रष्टाचार को व्यवस्था के हिस्से के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।मंत्री जी ने कहा कि व्यवस्था को पारदर्शी, सक्षम और दुरुस्त बनाने के प्रयास तेज गति से चल रहे हैं। नए अधिनयम में रिश्वत लेने के साथ-साथ रिश्वत देने को भी अधिनियम में अपराध माना गया है। साथ ही, ऐसी कार्रवाइयों में व्यक्ति और कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए एक प्रभावी रोकथाम की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता, नागरिकों की सहभागिता और जवाबदेही लाना वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता है और इस बात का संकेत देश में उच्च संस्थानों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए लोकपाल की संस्था को संचालित करने की इसकी निर्णायक पहल से मिलता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और बेहिसाब धन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, सरकार द्वारा पिछले वर्षों के दौरान कई पहलें की गई हैं। उन्होंने कहा कि 26 मई, 2014 को पीएम के रूप में शपथ लेने के शीघ्र बाद, पीएम की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की पहली बैठक में काले धन का पता लगाने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि 2014 के बाद से, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में संशोधन, लोकपाल के पद की स्थापित और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एसीसी (नियुक्ति संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति) के निर्णयों समेत सभी सरकारी फैसलों को तत्काल सार्वजनिक करने सहित अनेक सुधार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों के दौरान 15 सव से अधिक कानूनों को समाप्त कर विभिन्न नियमों और विनियमों को सरल बनाया गया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अंतर्राष्ट्रीय गंभीर समस्या है भ्रष्टाचार नए भारत, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में भ्रष्टाचार की शून्य सहिष्णुता लाने प्रशासकीय नज़रिए में पारदर्शिता व्यवस्था तथा नागरिकों की मुख्य सहभागिता ज़रूरी है।

- लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

तबले ने खोया उस्ताद

तबले ने अपना उस्ताद खो दिया। तबले की एक खास ध्वनि, थाप, ताल खामोश हो गई। एक बिछौना सूना हो गया और एक आत्मा बिछुड़ कर, सुदूर, किसी शून्य में विलीन हो गई। तबले का जीवंत रिश्ता आज मुरझा गया। बहुत कुछ बिखर कर रह गया। चार ग्रैमी अवार्ड, तीन पद्म सम्मान, अमरीकी राष्ट्रपति के 'व्हाइट हाउस' में थाप, ताल और थिरकन का प्रदर्शन, चार पीढ़ियों के शास्त्रीय संगीत को लयात्मक संगत देने की असंख्य यादें अनाथ, अकेली हो गईं। तबले को नई-नई भाषाएं देने वाला और किसी भी ताल, थाप में अचानक 'तिहाई' मारने वाला उस्ताद आज थम गया, खामोश हो गया, मानो एक दुनिया 'शांत' हो गई हो! तबला-वादन के उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपने वाद्य को उसी तरह जिया, जिस तरह पंडित रविशंकर ने सितार को, पंडित जसराज ने शास्त्रीय गायन को, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बांसुरी को, पंडित शिवकुमार शर्मा ने संतूर को, उस्ताद अमजद अली ने सरोद और उसके संगीत को जिया। जाकिर अकेले, अलबेले, अद्भुत तबला-उस्ताद थे, जिन्होंने इन उस्तादों के संगीत को लयात्मक पूरकता दी। जाकिर एक वाद्य-यंत्र के उस्ताद ही नहीं, कोई अवतार लगते थे, लिहाजा मात्र तीन साल की उम्र में ही तबले पर थाप लगाने और उंगलियों की थिरकन की जादुई शुरुआत की। इस उम्र में तो बच्चे नाक साफ करना भी नहीं सीख पाते। उस्ताद के पिता अल्ला रक्खा खां खुद 'उस्ताद तबला वादक' थे और जाकिर ने उनके साथ कई जुगलबंदियां पेश की थीं, लेकिन 'नन्हा उस्ताद' अपनी समकालीन, पुरानी पीढ़ियों और उनके समय के बहुत पार चला गया। जाकिर ने संगीत के सहायक वाद्य को मुख्य वाद्य बना दिया, नतीजतन आज दुनिया भर में तबले की 'खास पहचान और प्रतिष्ठा' है।

जाकिर तबले के पर्याय बन चुके हैं, लेकिन भीतर से एक दुखद, पीड़ित 'आह' निकलती है- उस्ताद जाकिर हुसैन...! बेशक उस्ताद 73 साल की उम्र में ही हमें छोड़ कर चले गए, उनका पार्थिव शरीर 'मिट्टी' हो गया, वह 'सुपुर्द-ए-खाक' हो गए, लेकिन तबला-वादन की जो लंबी विरासत, संगीत की खूबसूरती, तबले की कला की एक सुदीर्घ परंपरा और यादों की लंबी कड़ियां छोड़ गए हैं, उन्हें 'मृत' कैसे माना जा सकता है? संगीत के पंडित, महाराज और उस्ताद, अपने-अपने कालखंडों में, उतने लोकप्रिय नहीं हो पाए, जितनी जन-स्वीकृति और मान्यता उस्ताद जाकिर हुसैन ने हासिल की। उन्होंने तबले को भी जन-जन का वाद्य यंत्र बना दिया। घर-घर और दफ्तरों में आम आदमी जब किसी सतह पर थाप देने लगता है, तो उसे तुरंत जाकिर हुसैन से जोड़ दिया जाता है। हालांकि वह व्यंग्य की भाषा होती है, लेकिन तुलना जाकिर हुसैन से ही की जाती है। बेशक एक लंबे अंतराल से उस्ताद अमरीका में ही बसे रहे, लेकिन वह आखिरी सांस तक हिंदुस्तान और हिंदुस्तानी संगीत को ही जीते रहे। आज दुनिया भर के कलाकार, उनके समकालीन गायक और वाद्य बजाने वाले भी उन्हें याद कर रहे हैं। असंख्य संस्मरण उनके साथ जुड़े हैं। बहरहाल आज वह हमारे बीच जीवंत नहीं हैं, लेकिन जिन गायनों के साथ उन्होंने तबले की थाप, ताल पर संगत दी थी, वे हमें हमेशा याद दिलाते रहेंगे। उस्ताद जीवंत रूप में हमारे बीच होंगे, लिहाजा कलाकार कभी मरा नहीं करते।

टेक्नोलॉजी

WhatsApp ला रही है एक और नया धांसू फीचर, इस झंझट से मिल जाएगी मुक्ति

WhatsApp में आने वाला इन-ऐप डायलर फीचर यूजर्स को ऐप से ही फोन कॉल करने की सुविधा देगा. यह फीचर पहले आईफोन यूजर्स के लिए आएगा और धीरे-धीरे सभी यूजर्स को उपलब्ध होगा.

करोड़ों लोग WhatsApp को डेली इस्तेमाल करते हैं. इनकी सहूलियत के लिए कंपनी नियमित तौर पर नए फीचर्स लाती है. कभी ये फीचर्स यूजर्स की सेफ्टी से जुड़े होते हैं तो कभी उनकी सुविधा के लिए अपडेट आती है. अब एक नई अपडेट में WhatsApp यूजर्स को इन-ऐप डायलर मिलने वाला है. इससे यूजर्स ऐप से ही फोन कॉल कर सकेंगे. इससे उनकी कई परेशानियां हल होने वाली है. कंपनी iOS बीटा यूजर्स के साथ इस फीचर को टेस्ट कर रही है.

क्या होगा इस फीचर का फायदा? - अभी तक WhatsApp के जरिये किसी को फोन करने के लिए उसका नंबर सेव करना पड़ता है. डायलर फीचर आने के बाद इस झंझट से मुक्ति मिलने वाली है. यूजर्स न्यूमेरिक डायलर पर कोई भी नंबर डायल कर उससे बात कर सकेंगे. यह इंटरनेट-बेस्ड कॉल होगी. यानी अब WhatsApp पर किसी को ऑडियो कॉल करने के लिए उसका नंबर सेव करने की जरूरत खत्म हो जाएगी. सबसे पहले यह फीचर आईफोन यूजर्स के लिए आएगा और धीरे-धीरे सभी यूजर्स को इसका फायदा मिलने लगेगा.

कम हो जाएगी फोन डायलर पर निर्भरता - यह फीचर आने के बाद फोन डायलर पर लोगों की निर्भरता कम हो जाएगी. इससे WhatsApp का भी फायदा होगा और लोग पहले से और ज्यादा समय उसकी ऐप पर बिताएंगे. WhatsApp ने पहले ही फोन कॉलिंग को कम कर दिया है और नए फीचर के बाद लोग सीधा व्हाट्ऐप के जरिये ही कॉल करेंगे. हालांकि, इसके लिए कॉल रिसीव करने वाले के फोन में WhatsApp होना जरूरी होगा.

WhatsApp ने वीडियो क्वालिटी को किया है बेहतर - नए फीचर्स की लिस्ट में WhatsApp ने हालिया समय में एक और अपडेट जारी किया था, जिसमें वीडियो क्वालिटी बेहतर हुई है. अब अगर अपने मोबाइल या डेस्कटॉप ऐप से वीडियो कॉल करते हैं तो वीडियो की क्वालिटी बेहतर हुई है. इसके साथ-साथ वीडियो कॉल्स के लिए कई नए Effects भी जोड़े गए हैं.

जनरल नॉलेज

क्या वाकई तूफान से पहले हो जाती है शांति? जान लीजिए इस कहावत का असली सच

> 'तूफान से पहले की शांति' सिर्फ एक कहावत भर नहीं है. इसके पीछे तगड़ा विज्ञान छिपा हुआ है. यह विज्ञान है हवाओं के दबाव का, जिसकी वजह से किसी भी तूफान के आने से पहले सन्नाटा सा छा जाता है.

अक्सर आपने सुना होगा कि तूफान आने से पहले सन्नाटा छा जाता है. हिंदी की यह कहावत इतनी ज्यादा प्रसिद्ध हुई कि कई फिल्मों का हिस्सा बन गई. फिल्मों में हीरो जब विलेन से लड़ने जाता है, तब इस कहावत से जुड़ा डॉयलाग मारता है. आपने कई बार हीरो को यह कहते हुए सुना होगा कि यह तूफान के आने से पहले का सन्नाटा है. लेकिन आपने कभी सोचा है कि क्या इस कहावत के पीछे भी कोई साइंस छिपा हो सकता है, या फिर यह सिर्फ एक कहावत भर ही है. चलिए जानते हैं...

कहावत के पीछे जुड़ा है विज्ञान - हिंदी की कहावत- 'तूफान से पहले की शांति' सिर्फ एक कहावत भर नहीं है. इसके पीछे तगड़ा विज्ञान छिपा हुआ है. यह विज्ञान है हवाओं के दबाव का, जिसकी वजह से किसी भी तूफान के आने से पहले सन्नाटा सा छा जाता है. हालांकि विज्ञान यह भी कहता है कि यह पैटर्न हर तूफान में फॉलो नहीं होता. यानी यह जरूरी नहीं है कि हर बार तूफान आने से पहले सन्नाटा ही छा जाए.

क्या है हवाओं से जुड़ा साइंस - तूफान आने से पहले शांति के कई कारण हो सकते हैं. इसमें पहला कारण है- हवाओं की स्थिति. दरअसल, तूफान आने से पहले हवा की चाल कम हो जाती है और इनकी स्थिति में बदलाव होता है. किसी भी तूफान को ईंधन के रूप में गर्म,नम हवा की जरूरत होती है. ऐसे में ये तूफान बादलों के माध्यम से आसपास के वातावरण से गर्म, नम हवाओं को खींचते हैं यहां तक कि उस दिशा से भी जिस दिशा में तूफान चल रहा है। ये हवाएं अपने पीछे कम दबाव वाला क्षेत्र बनाती हैं. और जब ये हवाएं नीचे की ओर उतरती हैं तो गर्म, शुष्क होकर आसपास के क्षेत्र को ढक देती हैं, साथ ही हवाओं को स्थिर कर देती हैं, जिससे सन्नाटा महसूस होता है.

बादलों की गति में बदलाव - तूफान आने से पहले बादलों की गति में भी बदलाव होता है, इनकी गति बदल जाती है और बादल ज्यादातर आकाश को ढक देते हैं, जिससे ध्वनि में बदलाव होता है और हमें सन्नाटा महसूस होता है.

जिस भारत ने बांग्लादेश को कराया आजाद, यूनुस सरकार उसी के खिलाफ उगल रही जहर, पाकिस्तानी सेना के सरेंडर को लेकर लगाया आरोप

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की आजादी में भारतीय सेना के योगदान को पाकिस्तान भी मानता है, लेकिन यूनुस सरकार इसे मिटाने लगी हुई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 दिसम्बर को विजय दिवस के मौके पर भारतीय सेना को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर शानदार जीत की बधाई दी, तो यूनुस सरकार बौखला गई। यूनुस सरकार के सलाहकारों ने इस प्रधानमंत्री मोदी के सोशल मीडिया संदेश पर आपत्ति जताई और अब बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने पूरी तरह से अहसानफरोशी दिखाते हुए 1971 के युद्ध को लेकर भारत पर ही आरोप लगा दिए हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि ढाका में पाकिस्तानी सेना के सरेंडर के दौरान बांग्लादेश की संयुक्त सेना के कमांडर को जानबूझकर बाहर रखा गया था। 16 दिसम्बर को ढाका में पाकिस्तान के 93000 सैनिकों ने सरेंडर किया था। इस दौरान पाकिस्तान के पूर्वी कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एके नियाजी ने भारतीय सेना के पूर्वी कमांड के प्रमुख जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने सरेंडर दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय की फेसबुक पोस्ट में पूर्व भारतीय विदेश सचिव जेएन दीक्षित की किताब 'लिबरेशन एंड बियॉन्डः इंडो-बांग्लादेश रिलेंशस' के हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि भारत ने जानबूझकर आत्मसमर्पण समारोह से बांग्लादेश के संयुक्त कमान के कमांडर जनरल एमएजी उस्मानी को दूर रखा था। 'उस्मानी को न शामिल करना रणनीतिक गलती' पोस्ट में कहा गया कि दीक्षित ने अपनी किताब में लिखा था, आत्मसमर्पण समारोह में एक बड़ी राजनीतिक गलती यह थी कि भारतीय सैन्य आलाकमान ने बांग्लादेश की ओर से संयुक्त कमान के कमांडर जनरल एम.ए.जी. उस्मानी की समारोह में उपस्थिति सुनिश्चित करने और उन्हें हस्ताक्षरकर्ता बनाने में विफलता दिखाई।' दीक्षित की किताब के हवाले से आगे कहा गया कि उस्मानी की गैरमौजूदगी के बारे में कहा गया कि उनका 'हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी थी, लेकिन आत्मसमर्पण के समय तक ढाका नहीं पहुंच सका। लेकिन व्यापक संदेह था कि उनका हेलीकॉप्टर रास्ता भटक गया था, जिससे वह समय पर ढाका नहीं पहुंच सका और समारोह का ध्यान भारतीय सैन्य कमांडरों पर केंद्रित था। आत्मसमर्पण समारोह में उस्मानी की उपस्थिति से कई राजनीतिक गलतफहमियों से बचने में मदद मिल सकती थी।'

इंसानों को 2 महासंकट से बचाएगी प्राचीन मुसलमानों की तकनीक, इजरायली वैज्ञानिकों ने भी माना लोहा

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल के वैज्ञानिकों ने अरब की सैकड़ों साल पुरानी पानी बचाने और खेती करने की तकनीक पर रिसर्च की है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पुराने समय में अरब के मुसलमान पानी बचाने के लिए जिन तकनीक का इस्तेमाल करते थे, वो आज के समय में भी सूखे इलाकों में बहुत मददगार हो सकती हैं। इससे कम पानी वाले इलाकों में खेती संभव हो सकती है। ये तकनीक पानी की कमी और भोजन के संकट की दो बड़ी मुश्किल हल कर सकती हैं, जो आज दुनिया के सामने बड़ा चुनौती हैं। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, बार-इलान यूनिवर्सिटीऔर इजरायल एंटिक्विटीज अथॉरिटी के शोधकर्ताओं ने ईरान, गाजा, मिस्र, अल्जीरिया और इबेरिया के तटों पर इस्तेमाल की जाने वाली पुरानी पानी बचाने की तकनीकों पर रिसर्च की है। ये तकनीक नौवीं से बारहवीं शताब्दी के बीच विकसित की गई थीं। इन तकनीक में जमीन के नीचे के पानी का इस्तेमाल, मिट्टी को उपजाऊ बनाने और सूखे इलाकों में खेती करने के तरीके शामिल हैं। पानी की कमी वाले इलाकों में आज भी इन तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। रिसर्च से पता चलता है कि पुराने समय में मुस्लिमों के खेती करने के तरीके आज पानी और अन्न की कमी से निपटने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये तरीके बारिश के पानी पर निर्भर करते थे, जो समुदाय-संचालित, पर्यावरण के अनुकूल खेती की राह दिखाते हैं। उस वक्त अरब में पानी की कमी थी, ऐसे में ईरान, गाजा, मिस्र, अल्जीरिया और इबेरिया के विद्वानों ने नए-नए तरीके खोजे जिनसे पानी इकट्ठा किया जा सके और मिट्टी को उपजाऊ बनाया जा सके। आज भी इन तरीकों को अपनाकर पानी की कमी और खाद्य असुरक्षा से निपटा जा सकता है। इस तरीके में शहर के पास की जमीन में गड्ढे बनाकर पानी इकट्ठा किया जाता था। इससे जमीन में नमी आ जाती थी तो इसके ऊपर शहरों का कचरा और जैविक पदार्थ मिट्टी में मिलाकर उसे उपजाऊ बना लिया जाता था। इसके बाद इसमें सब्जियां, तरबूज, खजूर और अंगूर जैसी फसलें उगाई जाती थीं। आज के समय में बारिश के पानी और उथले भूजल का इस्तेमाल करके लंबे समय तक पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा है कि दुनिया में पानी की कमी हो रही है और खाद्य संकट गहरा रहा है। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन और आधुनिकीकरण भी इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। इसलिए टिकाऊ कृषि के तरीके ढूंढना बहुत जरूरी है। ऐसे में ये खोज काफी कारगर साबित हो सकते हैं। इन तरीकों से शुष्क और कम उपजाऊ इलाकों में खेती करते हुए फसलें उगाई जा सकती हैं।

सऊदी अरब को तेल के कुएं में मिला नया खजाना, पहली बार निकाला सफेद सोना, मालामाल होगा मक्का-मदीना का देश

एजेंसी रियाद

तेल के भंडार से मालामाल सऊदी अरब के लिए बहुत अच्छी खबर है। सऊदी अरब को अब आधुनिक तेल भी मिल गया है। जी हां, सऊदी अरब ने अपने समुद्री इलाके में तेल क्षेत्र से पहली बार लिथियम निकालने में बड़ी सफलता हासिल की है। सऊदी अरब की विशाल तेल कंपनी अरामको के तेल क्षेत्र से पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह लिथियम निकाला गया है। अब सऊदी अरब की योजना व्यवसायिक पायलट प्रोग्राम चलाने की है ताकि सीधे लिथियम को निकाला जा सके। सऊदी अरब के उप खनन मंत्री ने अपनी योजना का ऐलान किया है। लिथियम को आधुनिक तेल और कीमती होने की वजह से सफेद सोना भी कहा जाता है। इससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लेकर स्मार्टफोन तक की बैट्रियां बनाई जा रही हैं। दुनिया में इसकी भारी डिमांड है। सऊदी अरब के किंग अबदुल्ला यूनिवर्सिटी फॉर साइंस एंड टेक्नालजी के स्टार्टअप लिथियम इनफिनिटी इस लिथियम को निकालने के प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगा। इसमें सऊदी खनन कंपनी मादेन और अरामको सहयोग कर रही हैं। सऊदी मंत्री ने बताया कि वे लिथियम को एक नई तकनीक की मदद से निकाल रहे हैं जिसे किंग अबदुल्ला यूनिवर्सिटी ने विकसित किया है। इससे इस दिशा में प्रगति तेज हो गई है। वे तेल के क्षेत्र में एक व्यवसायिक पायलट प्रोजेक्ट चला रहे हैं जो आगे भी चलता रहेगा। वशिषज्ञों का कहना है कि दुनिया में आज जो तेल की स्थिति है, आने वाले 1 दशक में यही हाल लथियम का हो सकता है। दुनियाभर के देश जीवाश्म ईंधन से दूर जा रहे हैं। लिथियम की मदद से ही इलेक्ट्रिक कार, लैपटॉप, फोन तथा तमाम अन्य उपकरणों की बैट्री बनाई जा रही है। सऊदी अरब के अलावा यूएई की भी राष्ट्रीय तेल कंपनियों ने अपने तेल क्षेत्र से खनिज निकालने की योजना बनाई है। सऊदी के अलावा दुनिया की अन्य कंपनियां भी उभरती हुई तकनीकों का फायदा उठा रही हैं और उनकी योजना खारे पानी से लिथियम निकालने की है। सऊदी मंत्री ने कहा कि तेल क्षेत्र में खारे पानी से लिथियम निकालना परंपरागत तरीकों से महंगा पड़ रहा है लेकिन अगर दुनिया में लिथयम की कीमतें बढ़ती हैं तो यह तरीका व्यवसायिक रूप से फायदेमंद हो जाएगा। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था दशकों से तेल पर निर्भर रही है। सऊदी अरब अरबों डॉलर खर्च कर रहा है ताकि खुद को इलेक्ट्रिक गाड़ियों का हब बनाया जा सके। सऊदी प्रिंस को डर सता रहा है कि तेल का भंडार खत्म होने के बाद पैसा कैसे आएगा और इसमें लथियम उनकी बड़ी मदद कर सकता है।

पृथ्वी के लिए खतरनाक हो सकता है सूर्य का सुपरफ्लेयर, परमाणु बम से बड़े खतरे की वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

एजेंसी वॉशिंगटन

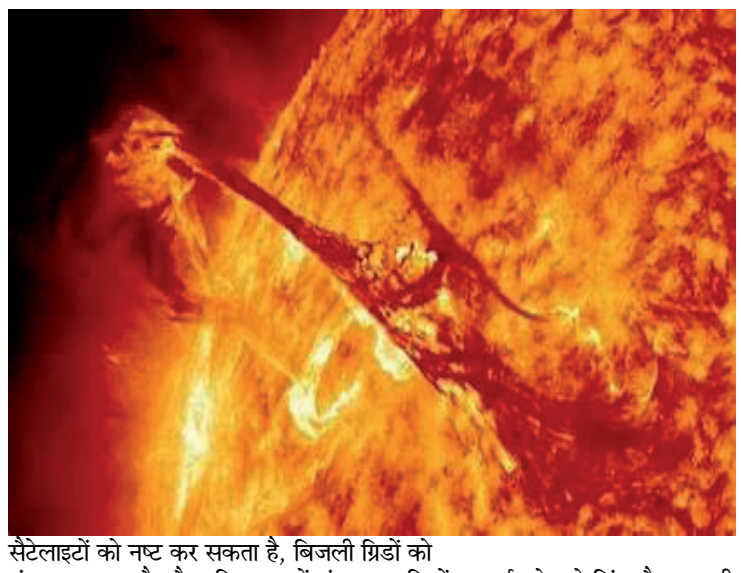

सूर्य से अविश्वसनीय रूप से बड़ी ऊर्जा तरंगें निकलती हैं, जिन्हें सौर सुपरफ्लेयर कहते हैं। वैज्ञानिक धीरे-धीरे इन्हें लेकर चिंतित हो रहे हैं. पहले वे सोचते थे कि ये घटनाएं लगभग एक हजार साल में एक बार होती हैं। हाल ही में यह पता चला कि ऐसा अक्सर हो सकती हैं। यह मायने रखता है क्योंकि हम सैटेलाइट, जीपीएस और पावर ग्रिड जैसी बहुत सारी तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। एक बड़ी सौर ज्वाला यह सब गड़बड़ा सकती है। सवाल है कि क्या हम इसके लिए तैयार हैं? सौर ज्वालाएं ऊर्जा विस्फोट हैं, जिन्हें सूर्य अंतरिक्ष में निष्कासित कर देता है। मामूली सौर ज्वालाएं आसानी से मामूली व्यवधान पैदा कर सकती हैं, जैसे रेडियो सिग्नल या जीपीएस में गड़बड़ी हो सकती है। हालांकि, एक सौर सुपरफ्लेयर काफी अधिक शक्तिशाली है। नियमित फ्लेयर की तुलना में इसमें लाखों गुना ज्यादा ऊर्जा निकलेगी। यह विस्फोट प्रकाश की गति से चलते हैं, ऐसे में इन्हें पृथ्वी तक पहुंचने में कुछ ही मिनटों का समय लग सकता है। छोटी सौर ज्वालाएं अस्थायी समस्या पैदा करती हैं, लेकिन एक सुपरफ्लेयर विनाशकारी हो सकती है। यह सैटेलाइटों को नष्ट कर सकता है, बिजली ग्रिडों को बंद कर सकता है और दुनिया भर में संचार प्रणालियों को बाधित कर सकता है। क्षति कई दिनों या हफ्तों तक रह सकती है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी में महत्वपूर्ण समस्याएं पैदा हो सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वैज्ञानिकों का लंबे समय से मानना था कि सूर्य की सुपरफ्लेयर होती है, लेकिन कभी कई हजार वर्षों में यह एक बार निकलती है। डॉ. वैलेरी वसीलीव ने दिसंबर 2024 में साइंस में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में उन्होंने 50 हजार से ज्यादा सितारों के डेटा की जांच की। उन तारों को लगभग 100 वर्षों में एक बार सुपरफ्लेयर का अनुभव होता है। इस नई खोज ने चिंता पैदा कर दी है। अगर सूर्य उन सभी अन्य सितारों की तरह होने जा रहा है तो हमने जितना सोचा था, उससे ज्यादा सुपरफ्लेयर देखेंगे। पृथ्वी इससे खतरे में पड़ सकती है।

फ्रांस में चक्रवात चिडो ने बरपाया कहर

एजेंसी पेरिस

फ्रांस के मायोट में आए विनाशकारी तूफान चिडो से मची तबाही पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। साथ ही उन्होंने हरसंभव मदद की पेशकश की। पीएम मोदी की संवेदनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आभार व्यक्त किया। चिडो एक विनाशकारी तूफान था, जिसने शनिवार को फ्रांसीसी द्वीपसमूह मायोट में तबाही मचाई थी। फ्रांस के अनुसार, चक्रवात चिडो 90 से अधिक वर्षों में मायोट में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। प्रलयकारी हवाओं ने पूरे पड़ोस को तहस-नहस कर दिया, बिजली के ग्रिड को नष्ट कर दिया और अस्पतालों, स्कूलों और हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा था, "मायोट में चक्रवात चिडो (Cyclone Chido) के कारण हुई तबाही से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में, फ्रांस इस त्रासदी को दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ दूर करेगा। भारत फ्रांस के साथ एकजुटता में खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी के संदेश का जवाब देते हुए, राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "प्रिय नरेंद्र मोदी, आपके विचारों और समर्थन के लिए धन्यवाद। श्रेणी 4 के तूफान, चक्रवात चिडो ने सप्ताहांत में दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में तबाही मचा दी। चक्रवात ने सबसे पहले उत्तरी मेडागास्कर को प्रभावित किया, फिर तेजी से 220 किमी प्रति घंटे (136 मील प्रति घंटे) से अधिक की हवा की गति के साथ मायोट में दस्तक दी। तूफान, जिसने 300,000 से अधिक निवासियों वाले द्वीपसमूह को प्रभावित किया, उत्तरी मोजाम्बिक में भी भारी तबाही मचाई। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने एक बैठक के दौरान टिप्पणी की, "हर कोई समझता है कि यह एक ऐसा चक्रवात था जो अप्रत्याशित रूप से विनाशकारी था। चक्रवात से होने वाली मौतों की संख्या चौंका देने वाली है, अधिकारियों को डर है कि मरने वालों की संख्या हजारों में हो सकती है। प्रीफेक्ट फ्रेंकोइस-जेवियर बियुविल के अनुसार, "मुझे लगता है कि निश्चित रूप से कई सौ, शायद हम एक हजार या यहां तक कि कई हजार" मौतें होंगी, जैसा कि प्रसारक मायोट ला प्रीमियर ने बताया है। प्रारंभिक रिपोर्टों ने 11 मौतों की पुष्टि की, लेकिन बचाव प्रयासों के जारी रहने के कारण संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (IFRC) ने मंगलवार को मायोट में अपने 200 से अधिक स्वयंसेवकों के लापता होने पर चिंता व्यक्त की थी। आईएफआरसी ने एक्स पर कहा, "चक्रवात चिडो के कारण 220 किमी/घंटा तक की हवाओं ने फ्रांसीसी विदेशी क्षेत्र मायोट को तबाह कर दिया है। यह आशंका है कि 200 से अधिक स्वयंसेवक लापता हैं।

सीरिया में मंत्री बनने जा रहा था मोसाद का सबसे खतरनाक जासूस, कैसे खुला इजरायली एजेंट का राज और फिर क्या हुआ

एजेंसी यरूशलम

इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद का नाम दुनिया की टॉप जासूसी संस्था में लिया जाता है। मोसाद के जासूसों ने ऐसे कारनामे किए हैं, जिसके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। मोसाद की इसी जासूसी दुनिया में एक नाम हुआ एली कोहेन, जिसे इजरायल के इतिहास में सबसे मशहूर खुफिया एजेंट के रूप में जाना जाता है। एली कोहेन ने 1960 के दशक में सीरिया के शीर्ष नेतृत्व सर्कल में घुसपैठ करके खुफिया और महत्वपूर्ण जानकारियां इजरायल का पहुंचाई थी। कई साल तक दमिश्क में रहने के बाद एक दिन वो सीरिया खुफिया के हाथों पकड़े गए और फांसी पर लटका दिया गया। तब से उनका शव सीरिया में किसी गुप्त जगह पर है। अब बशर अल-असद के पतन के बाद इजरायल ने एक बार फिर उनके शव की तलाश शुरू की है। एली कोहेन ने सारिया में जासूसी को कैसे अंजाम दिया और वह कैसे पकड़े गए, ये कहानी बहुत ही दिलचस्प है। लेकिन उससे भी दिलचस्प है कि इजरायल के सबसे खतरनाक जासूसी मिशन को अंजाम देने वाले कोहेन का जन्म इजरायल में नहीं हुआ था। कोहेन मिस्र में पैदा हुए थे। जहां उन्होंने यहूदी कार्यकर्ता के तौर पर कई साल गुजारे। 1957 में इजरायल आने के बाद उन्होंने इजरायली सेना के खुफिया विभाग में काम किया। हालांकि, कई सालों तक उन्हें मोसाद में शामिल होने के लिए नहीं चुना गया। सीरिया में मिशन के लिए कोहेन को एक नकली पहचान और एक नकली नाम दिया गया। उन्होंने खुद को अर्जेंटीना के ब्यूनर्स आयर्स में रहने वाला एक सीरियाई व्यवसायी कामेल अमीन थाबेट बताया, जो अब अपने मुल्क वापस लौटना चाहता है। पहचान को लेकर शक न हो इसके लिए कोहेन को ब्यूनर्स आयर्स भेजा गया, जहां उन्होंने सीरिया की बाथ पार्टी के समर्थक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की। दमिश्क पहुंचने के बाद कोहेन ने खुद को सीरिया के अभिजात वर्ग के साथ खुद को जोड़ना शुरू किया। इसके लिए वो महंगी पार्टियां आयोजित करते हैं, जिनमें बड़े लोगों को बुलाया जाता था। इस दौरान एली कोहेन नशे का नाटक करते हुए जानकारी जुटाते थे। कोहेन ने सीरिया के राजनीतिक नेतृत्व में अपनी पकड़ इतनी गहरी कर ली थी कि उन्हें मंत्री बनाने की तैयारी हो गई थी, लेकिन इसके पहले ही उनका राज खुल गया। कई दशकों तक इस बात पर बहस होती रही है कि आखिर कोहेन को कैसे पकड़ा गया। कई लोगों का कहना है कि मोसाद उन पर जानकारियां भेजने को लेकर बहुत दबाव बनाया था, जिसने जोखिम पैदा किया। सीरिया को उसी समय सोवियत संघ से नई तकनीक मिली थी, जिससे कोड मैसेज भेजे जाने के दौरान सिग्नल की पहचान की जा सकती थी। इसके साथ ही कहा जाता है कि 1963 में सीरिया में तख्तापलट के बाद नए नेतृत्व के अंदरूनी तत्वों को कोहेन पर संदेह था। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट में जानकारों के हवाले से बताया गया है कि कि सीरियाई खुफिया ने वास्तव में रेडियो सिग्नल की निगरानी की थी। सीरिया को मिली नई तकनीक इजरायल को संदेश भेजने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे ट्रांसमीटर को ट्रैक करने में सक्षम थी। साल 2022 में मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने बताया था कि सीरियाई खुफिया ने कोहेन के पकड़े जाने से ठीक पांच दिन पहले 19 जनवरी को उनके भेजे गए केबल को इंटरसेप्ट किया था। 24 जनवरी 1965 को जब एली कोहेन इजरायल को संदेश भेज रहे थे, उसी दौरान सीरियाई बलों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कोहेन को उपकरणों के साथ पकड़ा गया था। उनके ऊपर मुकदमा चलाया गया और 18 मई 1965 को दमिश्क में खुलेआम सड़क के किनारे फांसी पर लटका दिया गया। एली कोहेन को फांसी देने के बाद सीरिया ने शव इजरायल को नहीं दिया था। शव को पाने के लिए इजरायल लंबे समय से कोशिश कर रहा है। माना जाता है कि शव सीरिया में ही किसी जगह पर है।

मेलबर्न टेस्ट में जसप्रीत बुमराह रच सकते हैं इतिहास, निशाने पर कई दिग्गजों का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी | बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के तहत तीन मैच खेला जा चुके हैं। जिसमें से दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं अब चौथा टेस्ट दोनों टीमों के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में बुमराह के पास अनोखा रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा।

बुमराह अगर इस मैच में 6 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। बुमराह ने अभी तक खेले गए 43 टेस्ट की 83 पारियों में 194 विकेट लिए हैं। बुमराह मेलबर्न में इस आंकड़े को छू लेते हैं तो वह भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने के मामले में रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ जाएंगे।

वहीं बतौर तेज गेंदबाज भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले गेदंबाज बनेंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड कपिल देव के नाम है, जिन्होंने 50वें टेस्ट में ये मुकाम हासिल किया था।

बुमराह ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर खेले गए 202 मैच की 240 पारियों में 432 विकेट लिए हैं। अगर वह 3 विकेट हासिल कर लेते हैं भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में इशांत शर्मा को पछाड़कर नौवें नंबर पर आ जाएंगे। इशांत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 199 मैच की 280 पारियों में 434 विकेट झटके हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट - बुमराह अगर 5 विकेट ले लेते हैं तो कामयाब होते हैं तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक रविचंद्रन अश्विन, नाथन लियोन, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। बुमराह ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 33 टेस्ट की 63 पारियों में 145 विकेट लिए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी पर आईसीसी का बड़ा अपडेट, भारत-पाकिस्तान मुकाबले का हुआ फैसला, ऐसे होंगे मैच

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मामले पर बड़ी जानकारी शेयर की है. उसने हाइब्रिड मॉडल के साथ-साथ और भी अहम जानकारी शेयर की है.

नई दिल्ली, एजेंसी | आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मामले पर बड़ी जानकारी शेयर की है. उसने बताया है कि यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के तहत ही होगा. टीम इंडिया अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगी. हालांकि अभी तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल जारी नहीं किया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया था. लिहाजा बीसीसीआई की बात को मानते हुए आईसीसी ने हाइब्रिड मॉडल पर मुहर लगा दी है. इसके साथ ही आईसीसी ने पाकिस्तान को एक खुशखबरी भी दी है.

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर अपनी वेबसाइट पर जानकारी शेयर की है. आईसीसी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के मैच 2024 से 2027 के साइकिल में हाइब्रिड मॉडल के साथ ही होंगे. ये दोनों ही टीमें अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी. यह नियम आने वाले आईसीसी टूर्नामेंट्स पर लागू होगा. अब आईसीसी जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल भी शेयर करेगी. टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल फरवरी और मार्च में होना है.

चैंपियंस ट्रॉफी के साथ हाइब्रिड मॉडल से होंगे ये टूर्नामेंट्स - आईसीसी ने बताया है कि चैंपियंस ट्रॉफी के साथ और भी टूर्नामेंट्स हैं जो हाइब्रिड मॉडल से होंगे. वीमेंस वर्ल्ड कप 2025 भी इसी मॉडल से होगा. इसका आयोजन भारत में होना है. लिहाजा पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब भारत खेलने के लिए नहीं आएगी. मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका में होना है. यह टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल से होना है.

पाकिस्तान के लिए खुशखबरी - आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक खुशखबरी दी है. उसने तय किया है कि वीमेंस टी20 विश्व कप 2028 का आयोजन पाकिस्तान में होगा. लेकिन यह टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल के साथ होगा. टीम इंडिया अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगी. पाकिस्तान को होस्टिंग राइट्स दे दिए गए हैं.

कब आएगा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल - चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल अभी तक नहीं आया है. लेकिन हाइब्रिड मॉडल की पुष्टि की बाद उम्मीद बढ़ गई है. आईसीसी ने बताया है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए भी गुड न्यूज - आईसीसी ने पाकिस्तान के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया को भी अच्छी खबर दी है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी सीनियर वीमेंस टूर्नामेंट्स का होस्टिंग राइट मिला है. अब 2029 से 2031 तक वीमेंस क्रिकेट के आईसीसी टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलिया में ही होंगे.

IPL 2026 के लिए CSK को मिला तगड़ा जुगाड़!

धोनी बनेंगे मेंटर, तो क्या अश्विन संभालेंगे गेंदबाजी कोच की भूमिका?

नई दिल्ली, एजेंसी | इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स का तगड़ा फैन बेस है. इस टीम के करोड़ों चाहने वाले हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि चेन्नई की टीम पांच बार आईपीएल की विजेता रह चुकी है. एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी चेन्नई को और भी मजबूती देते हैं. करीब एक दशक के बाद रविचंद्रन अश्विन की चेन्नई सुपर किंग्स में वापसी हुई है. जिसके बाद एमएस धोनी और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी आईपीएल 2025 में फिर से तहलका मचा सकती है. ये दोनों ही खिलाड़ी अपने आईपीएल करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं.

हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में गाबा टेस्ट के बाद रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी. जिसके बाद वह सिर्फ आईपीएल में खेलते नजर आएंगे. माना जा रहा है कि एमएस धोनी और टीम का अहम हिस्सा रहे रविचंद्रन अश्विन भविष्य में चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग टीम का हिस्सा बन सकते हैं.

अश्विन की घर वापसी और नई भूमिका - रविचंद्रन अश्विन के लिए आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स में वापसी करना उनके करियर का खास पल होगा. 2010 में चेन्नई के साथ आईपीएल का सफर शुरू करने वाले अश्विन ने जून 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर के प्रमुख का पद संभाला था. उन्हें युवाओं को तैयार करने और खेल को बेहतर बनाने का अनुभव है. सुपर किंग्स के मौजूदा बॉलिंग कंसल्टेंट एरिक सिमंस का कार्यकाल 2025 में खत्म हो सकता है. इसके बाद भविष्य में अश्विन को बॉलिंग कोच या मेंटर की भूमिका दी जा सकती है.

धोनी बनेंगे टीम के मेंटर? - एमएस धोनी ने 2024 में रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपी थी. हालांकि उनके आईपीएल भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन उन्होंने आईपीएल 2025 में एक और सीजन खेलने का फैसला किया. खेल से संन्यास लेने के बाद धोनी के हेड कोच बनने की संभावना कम है, लेकिन उन्हें मेंटर की भूमिका में देखा जा सकता है.

बेटे को देख इमोशनल हुए पिता, घर वापसी के बाद रविचंद्रन अश्विन को किया किस

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद स्वदेश लौट आए हैं. जहां उनके फैंस और परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया.

रविचंद्रन अश्विन के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 आखिरी टेस्ट सीरीज था और एडीलेड टेस्ट 2024 उनके इंटरनेशनल करियर का आकिखरी मैच. दरअसल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के तुरंत बाद अश्विन ने अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी. जिसके बाद उनके फैंस उनके शानदार करियार को काफी मिस और याद कर रहे हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के बीच संन्यास के बाद वह भारत लौट आए हैं. चन्नई में उनके घर पर जोदार स्वागत हुआ.

पिता ने किया रविचंद्रन अश्विन को किस - भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का चेन्नई स्थित उनके घर पर भव्य स्वागत किया गया. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जब अश्विन घर लौटे तो उनके परिवार, फैंस और शुभचिंतक बड़ी संख्या में उनका सम्मान करने के लिए मौजूद हुए. घर के बाहर फैंस ने ढोल की धुन पर फूल बरसाए और अश्विन के लंबे करियर को याद करते हुए जश्न मनाया. इस खास मौके पर उनके पिता भावुक मूड में नजर आए. उन्होंने अश्विन को गले लगाया और गाल को चूमकर गर्व जताया.

संन्यास के फैसले ने किया भावुक - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए टेस्ट के बाद अश्विन ने संन्यास की घोषणा की. प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'यह मेरे और मेरे परिवार के लिए भावनात्मक पल है. लेकिन यह मेरे लिए संतोष और राहत का भी क्षण है. मैंने अपनी पूरी क्षमता से खेला और भारतीय टीम के लिए योगदान दिया.'

एमसीए 12 जनवरी से वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ का जश्न

मुंबई | मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने 12 से 19 जनवरी तक यहां प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने की योजना की घोषणा की। एमसीए अधिकारियों और इसके शीर्ष परिषद के सदस्यों ने एक समारोह के दौरान यहां स्टेडियम में एक विशेष लोगो का अनावरण किया गया। एमसीए ने कहा, ''1974 में निर्मित वानखेड़े स्टेडियम दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट स्थलों में से एक है जिसने क्रिकेट इतिहास के ऐतिहासिक क्षणों को देखा है। 2013 में सचिन तेंदुलकर के अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच से लेकर भारत की ऐतिहासिक 2011 एकदिवसीय विश्व कप खिताबी जीत तक, स्टेडियम अनगिनत यादों का घर रहा है।'' जश्न के दौरान अलग-अलग दिनों में कई समारोह होंगे और एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

व्यापार

शेयर मार्केट में मचा हाहाकार, सेंसेक्स में 1100 अंक की आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी फेडरल बैंक ने रीड में कटौती का ऐलान किया है जिसके बाद शेयर बाजार में यह गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिकी बाजार का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है और सेंसेक्स लुढ़क गया है। सेंसेक्स में 1100 और निफ्टी में 400 अंक की गिरावट देखने को मिली है।

अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट बुधवार को देखने को मिली है, जिसका असर है भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ने लगा है। भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स 1100 अंक नीचे गिर गया है। बुधवार रात को अमेरिकी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

अमेरिकी फेडरल बैंक ने रीड में कटौती का ऐलान किया है जिसके बाद शेयर बाजार में यह गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिकी बाजार का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी हो रहा है और सेंसेक्स लुढ़क गया है। सेंसेक्स में 1100 और निफ्टी में 400 अंक की गिरावट देखने को मिली है।

घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती के संकेत के बाद कमजोर वैश्विक रुख का असर बाजारों पर पड़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,162.12 अंक की गिरावट के साथ 79,020.08 अंक पर आ गया।

वहीं एनएसई निफ्टी 328.55 अंक फिसलकर 23,870.30 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध सभी 30 कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की नुकसान में रहे।

गौरतलब है कि अमेरिकी बाजार बुधवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73.10 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,316.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आदित्य बिड़ला समूह की यह फाइनेंस कंपनी बन गई कुबेर का खजाना, दे रही छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी | दिसंबर में अभी तक 74 फीसदी की छलांग लगाकर निवेशकों को बेहतर रिटर्न से मालामाल कर चुकी है. इसके बाद भी आदित्य बिड़ला मनी के शेयरों में ऊपर चढ़ने का रुख बना हुआ है...

यह शेयर है या कुबेर का खजाना. इसमें निवेश करने वाले निवेशक मालामाल हुए जा रहे हैं. इसके बाद भी इस शेयर के चढ़ने की रफ्तार धीमी नहीं हुई है. आदित्य बिड़ला समूह की इस कंपनी के शेयर दिनभर में 17 फीसदी उछल चुके हैं. यह फाइनेंस कंपनी दिसंबर में अभी तक 74 फीसदी की छलांग लगाकर निवेशकों को बेहतर रिटर्न से मालामाल कर चुकी है. इसके बाद भी इस कंपनी यानी आदित्य बिड़ला मनी के शेयरों में ऊपर चढ़ने का रुख बना हुआ है. निवेशकों के मजबूत भरोसे के कारण इसमें आगे चढ़ने का रुझान बना हुआ है.

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे आदित्य बिड़ला मनी के शेयर - बीएसई का सेंसेक्स जहां दिन भर कमजोर रहा, वहीं आदित्य बिड़ला मनी के शेयर जोरदार तेजी के साथ 289 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए. पिछले आठ अक्टूबर को 132 रुपये 25 पैसे की कीमत पर कारोबार कर चुके इस कंपनी के शेयर रॉकेट की गति से भागे जा रहे हैं और अभी तक 119 फीसदी की बढ़त बना चुके हैं.

पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सेक्टर की है अग्रणी कंपनी - आदित्य बिड़ला मनी पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की सेवा देने वाली अग्रणी कंपनी है. यह सिक्योरिटी और कमोडिटी ब्रोकिंग सेवाओं से भी जुड़ी हुई है.

SEBI ने उठाया बड़ा कदम, 19 लाख फॉलोअर्स वाले YouTuber पर लगाया 9.5 करोड़ रुपये का जुर्माना, जानें कारण

यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती और उनकी फर्म, रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टीट्यूट के खिलाफ अपंजीकृत निवेश सलाहकार व्यवसाय चलाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की है। सेबी ने उन्हें 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उन्हें 9.5 करोड़ वापस करने का निर्देश दिया है।

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत के प्रतिभूति बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती के खिलाफ एक्शन लिया है। इस एक्शन के जरिए सेबी ने यूट्यूबर रवींद्र बालू भारती और उनकी फर्म रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टीट्यूट के खिलाफ अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकार बिजनेस चलाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की है। सेबी ने उन्हें 4 अप्रैल, 2025 तक सिक्योरिटिज मार्केट में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उन्हें 9.5 करोड़ रुपये वापस करने का निर्देश दिया है।

सेबी की जांच में पाया गया कि रवींद्र बालू भारती और उनकी कंपनी ने गैर-पंजीकृत निवेश सलाह, व्यापार अनुशंसाओं और निष्पादन सेवाओं के जरिए अनुभवहीन निवेशकों को शेयर बाजार में फंसाया। भारती के दो यूट्यूब चैनलों पर 19 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उन्होंने अपने अनुयायियों को जोखिम भरे निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभाव का लाभ उठाया है।

कंपनी ने 'उच्च रिटर्न' का विपणन किया, जबकि इससे संबंधित जोखिमों का खुलासा नहीं किया तथा आवश्यक सेबी पंजीकरण के बिना परिचालन किया। उन्होंने चालाकीपूर्ण रणनीति अपनाई, जैसे कि अलग-अलग निवेशकों को कई निवेश योजनाएं बेचना, जिससे उनकी निर्णय लेने की स्वायत्तता सीमित हो गई। सेबी के आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारती की कंपनी ने प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन किया है और ग्राहकों के सर्वोत्तम हितों को प्राथमिकता देने के अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रही है।

क्या दंड और प्रतिबंध लगाए गए - वित्तीय दंड और पुनर्भुगतान आदेश के अलावा, सेबी ने भारती, उनकी कंपनी और कई सहयोगियों पर अप्रैल 2025 तक किसी भी प्रतिभूति बाजार गतिविधि में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें उचित सेबी पंजीकरण के बिना निवेश सलाहकार सेवाएं देने से भी प्रतिबंधित किया गया है। भारती और उनके सहयोगियों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सेबी द्वारा की गई यह कार्रवाई प्रतिभूति बाजार में बिना उचित प्राधिकरण के काम करने वाले और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करती है।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े हैं 880.93 करोड़ रूपये, कहीं आपका पैसा भी तो नहीं शामिल; ऐसे करें जांच

जीवन बीमा निगम (LIC) के पास 880.93 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड मैच्योरिटी रकम पड़ी है. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी तो सभी चौंक गए.

नई दिल्ली, एजेंसी | देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (LIC) ने एक चौंकानेवाला आंकड़ा पेश किया है. एलआईसी का कहना है कि उनके पास करीब 880.93 करोड़ रुपये का मैच्योरिटी अमाउंट है, जिस पर कोई दावा नहीं कर रहा है. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जीवन बीमा निगम के पास 880.93 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड मैच्योरिटी रकम पड़ी है. उनकी इस बात ने सभी को चौंका दिया.

इस स्थिति में राशि को मान लिया जाता है अन्क्लेम्ड - अनक्लेम्ड रकम का मतलब यह है कि मैच्योरिटी पूरी हो जाने के बाद भी पॉलिसीधारकों ने अपने पैसे नहीं लिए हैं. यदि पॉलिसीधारक को बीमाकर्ता से तीन साल या उससे अधिक समय तक कोई लाभ नहीं मिला है, तो राशि को अनक्लेम्ड मान लिया जाता है.

ऐसा उन स्थितियों में होता है, जब या तो पॉलिसीधारक प्रीमियम का भुगतान करना बंद कर देता है या पॉलिसीधारक की मृत्यु हो जाती है या फिर पॉलिसी मैच्योर हो जाने के बाद भी कोई अमाउंट को वापस लेने के लिए आगे की प्रक्रियाओं को पूरा नहीं करता है.

कहां ट्रांसफर किया जाता है अनक्लेम्ड अमाउंट - अगर मैच्योरिटी के बाद दस साल से अधिक समय तक राशि पर कोई दावा नहीं करता है, तो सारा का सारा पैसा सरकार के वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष में ट्रांसफर कर दिया जाता है.

इस तरह से करें अनक्लेम्ड मैच्योरिटी की जांच - जीवन बीमा निगम के अनक्लेम्ड मैच्योरिटी को जांचने के लिए सबसे पहले एलआईसी की वेबसाइट https://licindia.in/home पर जाएं.

अब होमपेज पर कस्टमर सर्विस ऑप्शन पर क्लिक करें.

इसके बाद पॉलिसीधारक अनक्लेम्ड अमाउंट को सिलेक्ट कर इस पर क्लिक करें.

इसमें पॉलिसी नंबर, नाम, जन्म तिथि और पैन कार्ड नंबर जैसी डिटेल भरें और आखिर में सबमिट बटन पर क्लिक करें.

इस राशि पर अपना दावा ठोकने के लिए एलआईसी ऑफिस से फॉर्म लें या साइट से डाउनलोड करें.

अब इसे पॉलिसी डॉक्यूमेंट्स जैसे कि प्रीमियम की रसीदें और अगर पॉलिसीधारक की मृत्यु हो गई है, तो डेथ सर्टिफिकेट के साथ अटैच्ड कर जमा करें.

जीवन बीमा निगम इस क्लेम की जांच करेगा. अगर ये अप्रूव हो जाता है, तो अनक्लेम्ड अमाउंट आपको ट्रांसफर कर दिया जाएगा.

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गईं गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

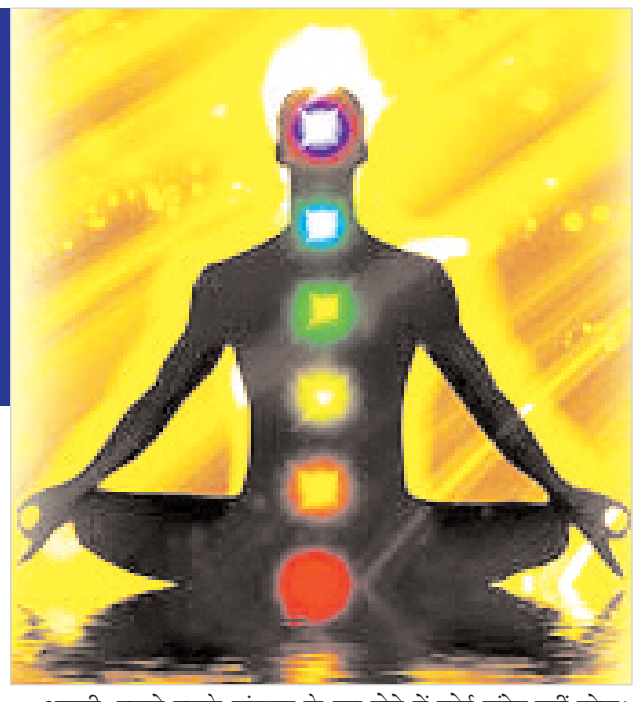

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

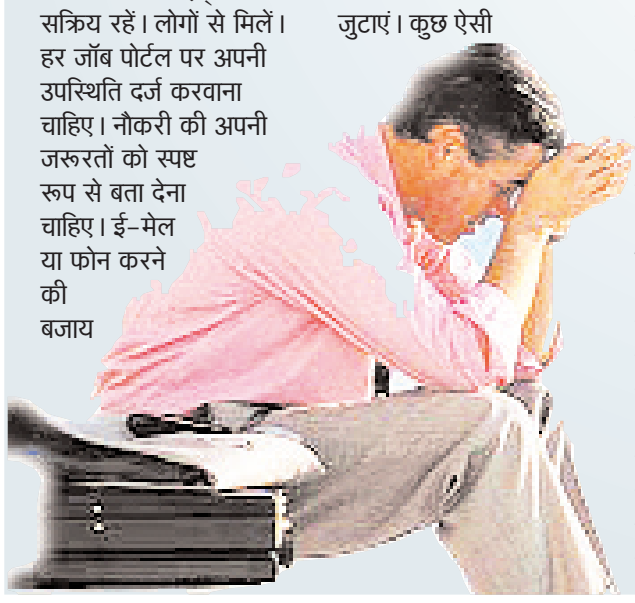

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास

इंटरव्यू के लिए खास बातें

सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

क हते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इ ज लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे

विंध्य ही नहीं,देश के लिए ये सेमिनार रहेगा लाभकारीः-डॉ अविनाश तिवारी

स्पेस साइंस एवं बायोलॉजिकल साइंस एक दूसरे के पूरकः-डॉ अविनीश श्रीवास्तवा

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं पर्यावरण जीवविज्ञान (बायोटेक्नोलॉजी) के संयुक्त दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में देश विदेश के जानेमाने वैज्ञानिकों ने शिरकत की।इस सेमिनार की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यर्पण करके शुरू की गई।इस बड़े सेमिनार की अध्यक्षता एपीएस विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर राजकुमार आचार्य ने की।मुख्य अतिथि के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफ़ेसर अविनाश तिवारी एवं मुख्य वक्ता सीएसआईआर एम्प्रि भोपाल के डायरेक्टर डॉ अविनीश श्रीवास्तवा रहे।विशिष्ठ अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह परिहार रहे वहीं इस नेशनल सेमिनार के संयोजक डॉ अतुल कुमार तिवारी तो सहसंयोजक डॉ सतानंद मिश्रा सीएसआईआर एम्प्रि भोपाल रहे।इस कार्यक्रम के क्वार्डिनेटर प्रोफ़ेसर अजय सक्सेना रहे एवं ऑर्गनाइजिंग सैक्रेटरी प्रोफ़ेसर सी एम तिवारी रहे।प्रोफ़ेसर अतुल तिवारी ने इस दो दिवसीय कार्यशाला की पूरी रूपरेखा से सबको अवगत करवाया।संगोष्ठी में कुलगुरु ग्वालियर विश्वविद्यालय प्रोफेसर अविनाश तिवारी ने ज़ोर देकर कहा कि विंध्य ही नहीं बल्कि देश विदेश के शोधकर्ताओं के लिए काफ़ी लाभकारी रहेगा।वहीं डॉ अविनीश श्रीवास्तवा ने अपने बड़े व्याख्यान

स्लाइड प्रजेंटेशन देते हुए बताया कि स्पेस साइंस एवं बायोलॉजिकल साइंस एक दूसरे के पूरक हैं एवं अंतरिक्ष विज्ञान,परालो,इंडस्ट्रीज आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर आचार्य ने ख़ुशी जाहिर करते हुए कहा कि ये सेमिनार ऐतिहासिक रहा,एवं आये हुए आगंतुकों का विश्वविद्यालय परिवार की तरफ़ से हार्दिक स्वागत किया।

प्रोफ़ेसर ए पी मिश्रा एवं प्रोफेसर मुदगल ने बंधा समा

सेमिनार के द्वितीय सत्र के पहले व्याख्यान में देश के जानेमाने वैज्ञानिक भौतिकविद प्रोफ़ेसर ए पी मिश्रा ने विश्वविद्यालय के शंभूनाथ सभागार में अपने पीपीटी लेक्चर से समा बांध दिया।खचाखच भरे सभागार में प्रोफेसर मिश्रा ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय एवं विंध्य छेत्र रिसर्च शोध के मामले में अग्रणी स्थान बना चुका है।साथ ही प्रोफेसर मिश्रा ने सोलर एनर्जी,सनस्पॉट,कोरोनल मास इंजेक्शन आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला।वहीं सत्र के द्वितीय वक्ता प्रोफेसर मुद्गल एयर क्वालिटी मोनिटरिंग, एअर मैथेमेटिकल मॉडल,मोनिटरिंग पैरामीटर आदि पर प्रकाश डाला एवं अपने उद्बोधन में इस ऐतिहासिक सेमिनार एवं रीवा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी उनके रिसर्च को लेकर।पहले दिन की कार्यशाला के मंच का सफ़ल संचालन डॉ नीती मिश्रा एवं डॉ समता शुक्ला ने किया।आभार प्रदर्शन डॉ सी एम तिवारी ने किया।साथ ही प्रोफेसर आर पी जोशी का भी हुआ व्याख्यान।

आज होंगे कई सेशन, देश विदेश से कई वैज्ञानिक, प्राध्यापक, शोधार्थी होंगे शामिल

दूसरे दिन बायोटेक्नोलॉजी विभाग एवं भौतिक विज्ञान विभाग में कई सेशन चलेंगे,जिसमें विदेशों से एवं देश के कोने कोने से आये शोधार्थियों के पेपर प्रजेंट होंगे एवं पोस्टरों का प्रजेंटेशन होगा।लगभग 400 वैज्ञानिकों,शोधकर्ताओं,प्राध्याप कों एवं छात्र छात्राओं के द्वारा रजिस्ट्रेशन करवाया गया है जो कि एक ऐतिहासिक रहा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने डीजीपी से की मुलाकात

प्रदेश में ब्राह्मणों पर हो रहे प्रताड़ना मामलों से कैलाश मकवाणा को कराया अवगत

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पुष्पेंद्र मिश्रा ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा से मुलाकात कर शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश में ब्राह्मणों के प्रति हो रहे अन्याय प्रताड़ना तथा झूठे केसों में फंसाने की गतिविधियों के बारे में डीजीपी से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर संगठन मंत्री पंडित महेन्द्र मिश्रा, पंडित शिव नारायण व्यास, पंडित विनोद पांडेय, पंडित अरुण पांडेय, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी पंडित आशीष द्विवेदी, पंडित जगदीश शर्मा, पंडित राम शुक्ला, पंडित राजेश तिवारी, पंडित अनिल पराशर, पंडित रविन्द्र चौबे एवं स्वस्ति वाचन के लिए पांच ब्राह्मण देवता मौजूद रहे।

सड़क पर बने प्रतीक चिह्नों का करें पालन,नियमों को न तोड़ें

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा | शहर में स्थित बीड़ा-सेमरिया रोड पर पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज के करहिया परिसर में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई तथा रीवा यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में यातायात शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से अनिमा शर्मा यातायात थाना प्रभारी रीवा महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक यस के त्रिपाठी, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला,पेंटियम प्वाइंट कॉलेज आफ मैनेजमेंट की प्राचार्या डॉ मोना तिवारी,सुबेदार अंजली गुप्ता,सुबेदार सुगम चतुर्वेदी उपस्थित रहे। इस शिविर की शुरुआत मां सरस्वती

की प्रतिमा पर दीपोत्सव के साथ प्रारंभ हुई। उपस्थित अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की परंपरा अनुसार पौधा भेंट कर किया गया।महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक ने छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों का पालन करने और उनके फायदे बताए।सभी छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों का पालन करने की सलाह दी। यातायात थाना प्रभारी ने कहा कि छात्र-छात्राएं स्वयं भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करें। तिराहों-चौराहों पर हरी और लाल बत्ती का विशेष ध्यान रखें। वाहन चलाते समय नशा न करें।सुबेदार सुगम चतुर्वेदी ने कहा कि कार में सीटबेल्ट,बाइक पर हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। सड़क पर बने सभी यातायात प्रतीक चिह्नों का पालन करें। शिविर में मुख्य रूप से महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक मनोज गुप्ता,आशुतोष गुप्ता,डॉ सविता शुक्ला,डॉ अर्चना पटेल,गिरीश भाई पटेल,राहुल चतुर्वेदी,सुनील तिवारी आदि प्राध्यापक सहायक अध्यापक मुख्य रूप से उपस्थित रहे, साथ ही सभी विभागों के छात्रों ने भी इस शिविर का लाभ उठाया।

डॉ अंबेडकर के खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, जलाया अमित शाह का पुतला, की गृहमंत्री पद से इस्तीफे की मांग

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | प्रहलाद गुप्ता कोतमा गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सदन में बाबासाहेब अंबेडकर के खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में देश भर लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा और गृहमंत्री अमित शाह से माफी मांगने व मंत्री पद से इस्तीफे की मांग की जा रहा है। इसी क्रम में आज युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में अनूपपुर जिले के कोतमा गांधी चौक में घंटों बैठकर भाजपा सरकार व गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अमित शाह का पुतला जलाया गया और गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की गई। प्राप्त जानकारी अनुसार युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित हुए तत्पश्चात कांग्रेस कार्यालय से हाथों में बाबासाहेब अंबेडकर का छायाचित्र लेकर कोतमा गांधी चौक तक भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला और गांधी चौक पहुंच हाथों में बाबासाहेब अंबेडकर का छायाचित्र लेकर बीच सड़क

पर बैठकर घंटों तक भाजपा सरकार, गृहमंत्री, प्रधानमंत्री के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई और अंत में गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंक दिया गया, जिसे पुलिस रोकने में नाकाम रही, युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार जमकर नारेबाजी करते हुए अमित शाह के इस्तीफे की मांग भी की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने बताया कि गृह मंत्री ने लोकसभा में आठ बार अंबेडकर का नाम लिया, लेकिन उन्हें एक बार भी सम्मानजनक पदों से संबोधित नहीं किया। यह उस महान नेता का अपमान है जिन्होंने भारत का संविधान लिखा और जिनके योगदान को दुनिया भर में सराहा जाता है। जिससे 125 करोड़ लोगों की भावनाओं पर चोट पहुंची है। गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी ने न केवल दलित समाज बल्कि पूरे देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। यह भाजपा की दलित-विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। गृह मंत्री को अपनी गलती का एहसास है, इसलिए उन्होंने सफाई दी, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। श्री चौहान ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता हमेशा वंचित और पिछड़े वर्गों के खिलाफ रहे हैं। यह घटना भाजपा की सोच को साफ तौर पर दिखाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गृह मंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो विरोध प्रदर्शन और बड़े स्तर पर किया जाएगा। जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के साथ एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रफी अहमद, युवा कांग्रेस जिला महासचिव मानवेंद्र मिश्रा, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विजय साहू, अमित धनवार, नदीम अली अशरफी, उदय अहिरवार, युवा पार्षद सिरमन पाव, इरफान अंसारी, जयप्रकाश पांडेय, फ़रसराम चौधरी, शिवम सराफ, सनिल जैन, आशु ताम्रकार, धीरू चौधरी, मो. बिलाल, मो. सफीर, मनोज बर्मन, शिव बर्मन, प्रदीप, मो. तौफीक एवं अन्य युवाजन, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, व पदाधिकारी मौजूद रहें।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की चाकू घोंप कर हत्या कर हत्यारे हुए फरार, पुलिस तलाश में जुटी

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | भानगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढांड में पुरानी बुराई के चलते दो आरोपियों ने 38 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की है।

सागर जिले में अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। जिले में बीते 15 दिनों में हत्या की 4 वारदातें हो चुकी है। ताजा वारदात सागर जिले के भानगढ़ थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां के ढांड में पुरानी रंजिश को लेकर युवक की चाकू मार कर हत्या कर दी गई।

भानगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढांड में पुरानी बुराई के चलते दो आरोपियों ने 38 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की है। मिली जानकारी अनुसार 38 वर्षीय करतार पिता तुलाराम अहिरवार निवासी ग्राम ढांड की गांव के ही दो युवकों से पुरानी बुराई चल रही थी। जिसके चलते दो आरोपियों ने बुधवार शाम करीब 6:30 बजे छुरी से हमला कर घायल कर दिया।

घायल को लहूलुहान हालत में रात में उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन में मामले की सूचना भानगढ़ पुलिस को दी। वहीं गुरुवार सुबह 11:00 बजे पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। भानगढ़ थाना प्रभारी का कहना है कि दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत से बनने जा रही करीब 4 करोड़ की लागत सड़क चढ़ रही भ्रष्टाचार की भेंट

• सागर, प्रतिनिधि

देवरी न्यूज़ - सागर जिले के देवरी विधानसभा क्षेत्र में पुराने बायपास रोड से लेकर डमराग्राम तक बनने जा रही पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा करीब 4 करोड़ लागत की सड़क ठेकेदार एवं पीडब्ल्यूडी विभाग की मिली भगत से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है उस सड़क पर ना ही पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी या इंजिनियर निरिक्षण करते नजर आते है ना ही कोई जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहा है यह पूरी सड़क भ्रष्टाचार की खुलेआम भेट चढती नजर आ रही है

ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण मेंपुलियों में ना सरिया डाली जा रही ना ही पुलियों के नीचे बेस डाला जा रहा साथी ही रेत की जगह धूल भरी डस्त का उपयोग किया जा रहा ना ही सड़क पर से बिजली खम्मा एवं तार हटाए गए हैं जबकि बिजली तार करीब 8 फीट ऊंचाई पर है वहीं सड़क निर्माण के साथ nh44 सड़क के विभाग द्वारा ना ही परमिशन ली गई बिना परमिशन के उस सड़क में भी तोड़फोड़ की जा रही साथ ही nh 44की सड़क के नाला के नीचे ही निकास बना कर बहुत बड़ी राशि बचाई जा रही है ऐसी ढ़ेरो अनियमितताओं के साथ सड़क का निर्माण किया जा रहा और जिले अधिकारी मौन बने हुए हैं

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698